18- FEB- K&C- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 2/18/2025 11:54 PM Page 1

बिलासपुर, बुधवार 19 फरवरी 2025

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नगरीय निकाय चुनाव में हार के बाद कांग्रेस में सियासत तेज

आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

कांग्रेस विधायक और पार्टी पर भितरघात का आरोप

ग्रामीण के अध्यक्ष रहे भागवत साहू ने पार्टी से दिया इस्तीफा

नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद अंदरूनी तकरार बढ़ गई है। कांग्रेस विधायक और पार्टी पर भितरघात का आरोप लगाकर राजनांदगांव जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष रहे भागवत साहू ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, नगरीय निकाय चुनाव में मुझे हराने के लिए पार्टी के नेताओं ने काम किया। वहीं पार्टी के विरूद्ध बयान देने पर पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा को पीसीसी ने नोटिस जारी किया है। बिलासपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कोटा के कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव पर अनुशासन हीनता का आरोप लगाते हुए पार्टी से निष्कासित करने की अनुशंसा करते हुए पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखा डाला है।

कांग्रेस में रार के बाद महाभारत, जिला अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा जुनेजा को नोटिस और अटल को पार्टी से बाहर करने पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि खास

नगरीय निकाय चुनाव का परिणाम आने के बाद कांग्रेस में कोहराम मचा हुआ है। राजनांदगांव जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष रहे भागवत साहू ने कांग्रेस विधायक और पार्टी पर भितरघात का आरोप लगाकर साहू समाज के बड़े नेता ने कांग्रेस से ▶▶ शेष पेज 6 पर

कुलदीप को पीसीसी का नोटिस

पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा पर पार्टी के विरुद्ध बयान देने को लेकर कार्रवाई हो सकती है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज पर हार का आरोप लगाने के बाद कुलदीप जुनेजा को नोटिस जारी किया गया है। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने यह नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों के अंदर लिखित जवाब देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा, प्रदेश कांग्रेस ▶▶ शेष पेज 6 पर

अटल पर जिला अध्यक्ष की तुलना चपरासी से करने आरोप

बिलासपुर में कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी एवं शहर अध्यक्ष विजय पाण्डेय ने कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव को पार्टी से निष्कासित करने की अनुशंसा की है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिख कर अपनी पीड़ा बताई है। उन्होंने अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए लिखा है कि 17 फरवरी को पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिहदेव का बिलासपुर आगमन हुआ था। उनसे मिलने एवं स्वागत के ▶▶ शेष पेज 6 पर

अशोभनीय टिप्पणी किसके लिए

नगर निगम के चुनाव में बागियो के खिलाफ़ कार्रवाई प्रदेश कांग्रेस के निर्देश और के संज्ञान में लाकर की जा रही है , विधायक अटल श्रीवास्तव ने चपरासी शब्द ज़िला अध्यक्ष , शहर अध्यक्ष या फिर प्रदेश अध्यक्ष किसके लिये कहा और विधायक की नजर में कलेक्टर कौन है, स्पष्ट करना चाहिए।

विजय केशरवानी, अध्यक्ष ज़िला कांग्रेस कमेटी

अनुशंसा की गई है

हमें विधायक के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार नहीं है, किन्तु अनुशंसा करना हमारे अधिकार क्षेत्र में है, जो हमने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से की है। नगर निगम चुनाव में जिन लोगों ने पार्टी के खिलाफ काम किया उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है, उस पर अटल श्रीवास्तव को आक्रोश जताना ठीक नहीं है, फिर संगठन के लिए चपरासी जैसे शब्द का उपयोग नहीं करना चाहिए। हमने इस मामले को संज्ञान में लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रदेश कांग्रेस को भेज दिया है।

- विजय पांडेय अध्यक्ष, शहर कांग्रेस

सीनियर लीडर से बात करूंगा

मैं तो अपने विधानसभा क्षेत्र में हूं और मुझे इस संबंध में कोई पत्र, नोटिस नहीं मिला है। मेरे निष्कासन की अनुशंसा के संबंध में अध्यक्षों की ओर से कुछ किया गया है, ऐसा कुछ वायरल हुआ है, यह पता चला है। मैं एआईसीसी का मैंबर हूं और एआईसीसी मैंबर को निकालने का अधिकार एआईसीसी को होता है। इन लोगों को जितनी गंदगी करना है कर लें, खेल करके कांग्रेस को बर्बाद किया जा रहा है। मैं इस संबंध में पार्टी के सीनियर लीडर से बात करूंगा।

अटल श्रीवास्तव कोटा विधायक

पंचायत चुनाव में जीत-हार के दावे, दिग्गजों के करीबियों की हार, पहले चरण में भाजपा भारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव का पहला चरण पूरा हो गया है। 17 फरवरी को मतदान के बाद उसी दिन वोटों की गिनती पूरी होने के बाद परिणाम सामने आ रहे हैं। हालांकि राज्य निर्वाचन आयोग ने परिणाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन स्थानीय स्तर पर मतगणना पूरी होने के बाद हार-जीत के दावे भी किए जा रहे हैं।

चुनाव गैरदलीय आधार पर हुए हैं, लेकिन सभी जगहों पर सियासी दलों के लोगों ने अपनी पूरी ताकत झौंकी थी। इस बीच ये दिलचस्प दावे सामने आ रहे हैं कि किसी क्षेत्र में कांग्रेस समर्थित जीते, कहीं भाजपा का सफाया हो गया। कहीं भाजपा समर्थितों ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया है। हार जीत के दावों के बीच ये बातें भी सामने आ रहीं हैं कि कहीं कोई नेता, मंत्री का भाई, पुत्र जीता तो किसी नेता का बेटा-बेटी हारी या करीबी रिश्तेदार जीत नहीं पाया। इन सब दावों का खुलासा आधिकारिक परिणाम आने के बाद होगा। ▶▶ शेष पेज 6पर

स्थानीय स्तर पर मतगणना के बाद सामने आए दावे

निर्वाचन आयोग ने नहीं की है आधिकारिक घोषणा

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का पहला चरण, बेखौफ पहुंचे ग्रामीण

इतिहास में पहली बार नक्सलियों ने नहीं किया चुनाव बहिष्कार, वोटिंग के लिए लंबी लाइनें

शहरों से ज्यादा गांवों की महिलाएं जागरुक, जमकर किया मतदान

बस्तर में 75 से 80 फीसदी मतदान की खबर

धमतरी में भाजपा की जीत का दावा

धमतरी जिले में पहले चरण में जनपद पंचायत के 25 सीट और जिला पंचायत के 6 सीटों के लिए चुनाव हुआ है। धमतरी जनपद पंचायत में 25 में से 18 सीट में भाजपा तो 7 सीट में कांग्रेस की जीत का दावा किया गया है। जिला पंचायत के लिए पहले चरण में 6 सीटों के लिए हुए चुनाव में 5 सीट में भाजपा की हुई जीत,एक सीट में कांग्रेस ने जीती। यहां जिला पंचायत में कुल 13 सीट है। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 9 से सीएम के समधी टीकाराम कंवर जीते हैं।

पंचायत चुनाव के पहले चरण में भाजपा की जबरदस्त जीत : साय

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। कई जिलों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए अपना वर्चस्व कायम किया। नारायणपुर, कवर्धा, खैरागढ़, कोंडागांव, मुंगेली और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जैसे जिलों में भाजपा ने सभी सीटें जीतकर क्लीन स्वीप किया। इन नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि प्रदेश में भाजपा की पकड़ लगातार मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शानदार प्रदर्शन के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं, प्रत्याशियों और जनता को ▶▶ शेष पेज 6 पर

जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव में भाजपा के 125 प्रत्याशी जीते

भारतीय जनता पार्टी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश संयोजक सौरभ सिंह ने बताया प्रथम दौर के त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के बाद अभी तक जो आंकड़े उपलब्ध हुए हैं, उनमें 160 जिला पंचायतों की सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के 108 और भाजपा समर्थित 17 निर्दलीय (कुल 125) प्रत्याशी चुनाव जीत गए हैं। अन्य क्षेत्रों में अभी मतगणना का कार्य चल रहा है और उनमें भी हम भारी बहुमत से जीतेंगे। ▶▶ शेष पेज 6 पर

साष्टांग दंडवत कर वार्ड की परिक्रमा कर रहे प्रत्याशी, प्रसाद बाटकर मांग रहे वोट

अनोखा चुनाव प्रचार

शेख हसन खान ▶▶ मैनपुर

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उम्मीदवार प्रचार के लिए मतदाता तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में देवभोग ब्लाक के बाडीगांव पंचायत में वार्ड पंच के प्रत्याशी लखन सोनी का प्रचार का तरीका हटकर है। छग में पहली बार कोई प्रत्याशी साष्टांग दंडवत जमीन पर लुढ़कते हुए वार्ड का परिक्रमा कर अपने लिए वोट मांग रहा है। गांव में सहज सरल और आध्यात्मिक व्यक्तित्व पहचान रखने वाले लखन के वोट मांगने के अनोखे तरीके से मतदाता भी काफी प्रभावित हैं। लखन बाड़ीगांव के वार्ड नौ से पंच पद के ▶▶ शेष पेज 6 पर

शोक संदेश

सरदार सुरजीत सिंह जी भाटिया

अत्यंत दुख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारे पूजनीय दारजी
सरदार सुरजीत सिंह जी भाटिया
का आज 18 फरवरी 2025 को दोपहर 3 बजे देहावसान हो गया है।

अंतिम यात्रा

कल 19 फरवरी 2025 को संध्या 3.30 बजे
निवास स्थान सिविल लाइन रायपुर से मारवाड़ी श्मशान घाट,
बूढ़ा तालाब के लिए प्रस्थान करेगी।

शोकाकुल

श्री गुलबीर सिंह भाटिया - छोटे भाई
प्रभतेज सिंह भाटिया - पौत्र
बलदेव सिंह भाटिया (पप्पू भाटिया) - पुत्र
गुरप्रीत सिंह भाटिया (नीलू भाटिया) - पुत्र

अयोध्या में दर्शन मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के ऊपर था ड्रोन

राम मंदिर के ऊपर पहुंचा ड्रोन... मचा हड़कंप, सुरक्षा बलों ने मार गिराया

एंटी ड्रोन सिस्टम से सुरक्षा बलों ने लिया तुरंत एक्शन

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या से सनसनीखेज खबर है। राम मंदिर परिसर में जबरदस्त भीड़ के बीच सोमवार को ड्रोन उड़ता हुआ पहुंच गया। दर्शन मार्ग पर उड़ रहे ड्रोन को देखकर हड़कंप मच गया। सुरक्षा कर्मी तुरंत अलर्ट हो गए। एंटी ड्रोन सिस्टम से सुरक्षा बलों ने ड्रोन को मार गिराया है। सूचना पर बम डिस्पोजल दस्ता पहुंचा। ड्रोन की सघन जांच की है। जांच में सब कुछ सामान्य मिला है। पुलिस अब ड्रोन कैमरा उड़ाने वाले शख्स की तलाश कर रही है। प्रयागराज महाकुंभ के कारण रामलला के दर्शन करने अयोध्या राम मंदिर में भारी भीड़ पहुंच रही है। सोमवार को भी मंदिर में जबरदस्त भीड़ थी। शाम 7 बजे राम मंदिर परिसर में ड्यूटी पॉइंट, बैचिंग प्लांट के पास ड्रोन कैमरा उड़ते हुए पहुंचा।

दर्ज कराई गई एफआईआर

घटना के बाद अयोध्या के कटरा चौकी इंचार्ज सुनील कुमार ने राम जन्मभूमि थाने में मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। सुनील ने एफआईआर में बताया कि राम मंदिर परिसर में ड्यूटी पॉइंट, बैचिंग प्लांट के पास किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ड्रोन कैमरे को प्रतिबंधित क्षेत्र में उड़ाते हुए जानबूझकर गिराया गया।शक है कि भगदड़ मचाने की साजिश के तहत भारी भीड़ के बीच ड्रोन उड़ाया गया।

राम मंदिर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित

बता दें कि राम मंदिर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। हवाई जहाज तक को मंदिर के ऊपर से उड़ने की परमिशन नहीं है। ड्रोन उड़ाने के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ती है। राम मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसएसएफ यानी स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स के हाथों में हैं। 200 जवान मंदिर की सुरक्षा में तैनात हैं।

इधर ममता का विवादित बयान, महाकुंभ बन गया है 'मृत्यु कुंभ'

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विवादित बयान दिया है। योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने बंगाल विधानसभा में कहा कि महाकुंभ अब 'मृत्यु कुंभ' में बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाकुंभ में वीवीआईपीएस को खास सुविधाएं दी जा रही हैं, जबकि आमलोगों को वहां भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने महाकुंभ में हुए भगदड़ पर भी भाजपा सरकार को घेरा और कहा कि वहां भीड़ नियंत्रण के इंतजाम नहीं हैं। बनर्जी ने कहा, 'यह 'मृत्यु कुंभ' है... मैं महाकुंभ का सम्मान करती हूं, मैं पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं लेकिन कोई योजना नहीं है... कितने लोग बरामद हुए हैं?... अमीरों, वीआईपी लोगों के लिए 1 लाख रुपये तक के कैंप (टेंट) की व्यवस्था है।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला

आरोपी क्रिश्चियन मिशेल को मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में छह साल से हिरासत में बंद ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को जमानत दे दी। मिशेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित तौर पर बिचौलिया था। सीबीआई और ईडी 3600 करोड़ रुपये के 12 वीवीआई हेलीकॉप्टर्स की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही हैं। उसे दुबई से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद दिसंबर 2018 में हिरासत में लिया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जेम्स पिछले छह साल से हिरासत में है, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेम्स को निचली अदालत द्वारा तय शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा। जेम्स ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था।

तारीख वही, टाइमिंग नई... दिन में होगा दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण

सिंगर-एक्टर से लेकर बाबा तक कई दिग्गज होंगे समारोह में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की टाइमिंग बदल गई है। पहले जहां 20 फरवरी की शाम 4.30 बजे दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण होना था तो वहीं अब यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे होना निश्चित हुआ है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम का समय जरूर बदला गया है, लेकिन तारीख वही है। यानी अब दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण कार्यक्रम अब 20 फरवरी को सुबह 11 बजे होगा। आयोजन के लिए स्थान (रामलीला मैदान) तय कर लिया गया है। हालांकि, अब तक मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सहमति नहीं बन सकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि बुधवार 19 फरवरी को होने वाली विधायक दल की बैठक में सीएम के नाम का ऐलान किया जा सकता है।

रामलीला मैदान में चल रही समारोह की जोर-शोर से तैयारियां

27 साल बाद सत्ता में वापसी

दिल्ली को जल्द ही नई सरकार मिलने वाली है। 20 फरवरी को बीजेपी नई सरकार का गठन करने वाली है। इसको लेकर रामलीला मैदान को किसी दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। भाजपा पूरे 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी कर रही है, ऐसे में इस समारोह में कोई कमी न हो, इसका खास ध्यान रखा जा रहा है।

मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी भी होंगे शामिल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कल यानी 19 फरवरी को बीजेपी विधायक दल की बैठक करने वाली है। इस बैठक में दिल्ली के नए सीएम के नाम पर मुहर लग सकती है। इस समारोह में एनडीए शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा एनडीए के सभी समर्थक दलों को भी इस समारोह में बुलाया जाएगा। इसके अलावा साधु-संतों, के अलावा फिल्मी सितारे और बड़े बिजनेसमैन मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को भी न्योता भेजा जाएगा।

धीरेंद्र शास्त्री को भी निमंत्रण

इस समारोह में शामिल होने के लिए जिन साधु-संतों को न्योता भेजा जाएगा उनमें धीरेंद्र शास्त्री, स्वामी चिदानंद और योग गुरु बाबा रामदेव समेत कई अन्य साधु-संत भी शिरकत करने वाले हैं। देश के सभी केंद्रीय मंत्रियों को भी आमंत्रित किया जाना है, इतना ही नहीं, देश के कई नामी खिलाड़ियों को भी संदेश भेजे जाने की तैयारी है।

शामिल नहीं होंगे नीतीश

एनडीए खेमे से बड़ी खबर है कि एनडीए के बड़े चेहरे और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होंगे। वजह सीएम नीतीश की 20 और 21 तारीख को उनकी प्रगति यात्रा बताई गई है। वहीं, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी एनएसई का मूल्यांकन 200% बढ़ा

मुंबई। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही एनएसई का मूल्यांकन 2024 में 201 प्रतिशत बढ़कर 4.7 लाख करोड़ रुपये हो गया है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। भारत के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई ने बाजार नियामक सेबी से आईपीओ की मंजूरी पाने के लिए आवेदन किया है। बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों की सूची के अनुसार, एनएसई देश की 10वीं सबसे मूल्यवान निजी कंपनी है। सितंबर, 2024 की रिपोर्ट के अनुसार इसका मूल्यांकन 3.12 लाख करोड़ रुपये आंका गया था। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी, जो दुनिया का सबसे बड़ा वायदा-विकल्प बाजार भी चलाती है, आईपीओ के जरिये अपनी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचना चाहती है।

- रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकन बढ़कर 4.7 लाख करोड़ रुपए

टाटा संस का मूल्यांकन 37 फीसदी बढ़ा

रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा संस का मूल्यांकन 37 प्रतिशत बढ़कर 32.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। हुरुन के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा कि इस साल शीर्ष 500 कंपनियों में पहुंची अंतिम कंपनी का मूल्य 9,580 करोड़ रुपये था। पहली बार सूची में शामिल सभी कंपनियों का मूल्य एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक था।

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने देश में मुद्रास्फीति कम होने के बीच मंगलवार को अक्टूबर, 2020 के बाद पहली बार अपनी प्रमुख ब्याज दर में कमी की। रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष की अपनी पहली बोर्ड बैठक में नकद दर को एक चौथाई प्रतिशत अंक घटाकर 4.35 प्रतिशत से 4.1 प्रतिशत कर दिया। दिसंबर तिमाही में मुद्रास्फीति सिर्फ 0.2 प्रतिशत और कैलेंडर वर्ष 2024 के लिए 2.4 प्रतिशत बढ़ने के बाद कटौती का व्यापक अनुमान लगाया गया था। दो साल पहले वार्षिक मुद्रास्फीति 7.8 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे में रखने के लिए ब्याज दरों में हेरफेर करता है। दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर रही, जो नवंबर में 3.9 प्रतिशत थी।

सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में किया संशोधन

नए कोष का निर्धारित समयसीमा में उपयोग करे एमएफ : सेबी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को नए कोष की पेशकश (एनएफओ) के माध्यम से निवेशकों से प्राप्त राशि का एक निर्धारित समयसीमा में इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है।

इसके अतिरिक्त, नियामक ने निवेशकों को और अधिक पारदर्शिता प्रदान करने के लिए म्यूचुअल फंड योजनाओं के लिए दबाव परीक्षण का खुलासा अनिवार्य कर दिया है। ये संशोधन एक अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इन उपायों का उद्देश्य निवेशकों के बीच अधिक जवाबदेही और भरोसा सुनिश्चित करते हुए म्यूचुअल फंड परिचालन को मजबूत बनाना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने राशि के उपयोग की समयसीमा के बारे में 14 फरवरी को एक अधिसूचना में कहा, ''एनएफओ में प्राप्त राशि का उपयोग निर्धारित समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है।'' यह संशोधन दिसंबर में सेबी निदेशक मंडल द्वारा एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें कोष प्रबंधकों को एनएफओ के जरिये एकत्र राशि को योजना के तहत निर्धारित परिसंपत्ति आवंटन के अनुसार, उपयोग करने को कहा गया है।

निवेशकों के पास निकलने का विकल्प

नियामक ने कहा था कि यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर राशि का उपयोग नहीं किया जाता है, तो निवेशकों के पास बिना कोई निकासी शुल्क दिये योजना से बाहर निकलने का विकल्प होगा। यह रूपरेखा परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को एनएफओ के दौरान अतिरिक्त राशि एकत्र करने से हतोत्साहित करती है।

प्रभावी बनाने नियमों में संशोधन

नियामक ने परिसपंत्ति प्रबंधन कंपनियों के कर्मचारियों के लिए कारोबार सुगमता के लिए भी कदम उठाया है। इसके तहत एएमसी ऐसे कर्मचारियों के पारिश्रमिक का एक प्रतिशत बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट तरीके से नामित कर्मचारियों के पदनाम या भूमिकाओं के आधार पर म्यूचुअल फंड योजना की इकाइयों में निवेश करेगा।

महिलाओं के लिए छह महीने में कैंसर का टीका

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री बोले-शोध पूरा, परीक्षण जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छत्रपति संभाजीनगर

अच्छी खबर

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं को होने वाले कैंसर के इलाज के लिए पांच से छह महीने में टीका उपलब्ध हो जाएगा और नौ से 16 वर्ष की लड़कियां इसके लिए पात्र होंगी। केंद्रीय आयुष मंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि टीके पर शोध का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और परीक्षण जारी हैं। जाधव ने कहा, "देश में कैंसर के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है और केंद्र सरकार ने इस मुद्दे को हल करने के लिए कदम उठाए हैं। 30 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं की अस्पतालों में जांच की जाएगी और बीमारी का जल्द पता लगाने के लिए 'डेकेयर कैंसर सेंटर' स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर सीमा शुल्क भी हटा दिया है। मंत्री ने कहा, महिलाओं को प्रभावित करने वाले कैंसर के लिए टीके पर शोध का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और परीक्षण जारी हैं। यह पांच से छह महीने में उपलब्ध हो जाएगा और नौ से 16 वर्ष की आयु की लड़कियां टीकाकरण के लिए पात्र होंगी। यह पूछे जाने पर कि यह टीका किन कैंसरों से निपटेगा, जाधव ने बताया कि इससे स्तन, मुख और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से निपटने में मदद मिलेगी। जाधव ने मौजूदा स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष केंद्रों में बदलने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अस्पतालों में आयुष विभाग हैं। लोग इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे 12,500 स्वास्थ्य केंद्र हैं और सरकार इन्हें बढ़ा रही है।

वैक्सीन पर हो रहा अंतिम परीक्षण

स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने बताया कि इस वैक्सीन पर शोध लगभग पूरा हो चुका है और इसका परीक्षण अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा, देश में कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ रही है और केंद्र सरकार इस समस्या को दूर करने के लिए कदम उठा रही है।

एबीबी इंडिया का शुद्ध लाभ 54 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। प्रमुख विद्युतीकरण और स्वचालन कंपनी एबीबी इंडिया का दिसंबर तिमाही का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 54 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 532 करोड़ रुपये हो गया। राजस्व बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी के एक बयान में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 345 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। एक साल पहले इसी अवधि के 2,757 करोड़ रुपये की तुलना में समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व बढ़कर 3,365 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही में कुल ऑर्डर एक साल पहले 3,147 करोड़ रुपये से घटकर 2,695 करोड़ रुपये का रह गया। कंपनी ने जनवरी से दिसंबर के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। कंपनी ने कैलेंडर वर्ष (जनवरी से दिसंबर 2024) में 1,875 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष के 1,248 करोड़ रुपये से अधिक है।

'रणनीतिक साझेदारी' में तब्दील हुए भारत और कतर के द्विपक्षीय संबंध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख अल थानी के बीच मंगलवार को हुई द्विपक्षीय बैठक में लिया गया यह महत्वपूर्ण निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच मंगलवार को राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसे लेकर दोहरे कराधान सहित कुल 7 समझौतों व एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। रणनीतिक साझेदारी के तहत दोनों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक-नवाचार, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। भारत और कतर ने आगामी पांच वर्षों में यानी 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 14.8 बिलियन डॉलर से दोगुना कर 28 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया।

राष्ट्रपति भवन में हुआ भव्य स्वागत

बैठक से पूर्व कतर के अमीर का प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में औपचारिक रूप से जोरदार अंदाज में स्वागत किया। जिसमें शेख अल थानी ने भवन के प्रांगण में तीनों सशस्त्र सेनाओं द्वारा दिए गए संयुक्त गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण किया। मालूम हो कि कतर के अमीर अपने एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बीते सोमवार से भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। जिसके तहत 18 फरवरी को उनकी पीएम मोदी के साथ बैठक हुई। 2015 के बाद कतर के अमीर का यह भारत का दूसरा दौरा था। जिसमें प्रधानमंत्री ने प्रोटोकॉल तोड़कर स्वयं हवाईअड्डे पर उनकी अगवानी की। कतर के अमीर के सम्मान में राष्ट्रपति ने स्वागत भोज दिया। इसके बाद उनकी भारत यात्रा संपन्न हुई और वो अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ कतर वापस रवाना हो गए।

इन समझौतों-एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

मंत्रालय में सचिव ने कहा, भारत और कतर के बीच बैठक के बाद 2 समझौतों और 5 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाने के लिए कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिल अब्दुल रहमान अल सानी और विदेश मंत्री एस.जयशंकर के बीच समझौते का आदान-प्रदान किया गया। एक संशोधित समझौता आय पर कर से जुड़े दोहरे कराधान से बचने और राजकोषीय चोरी की रोकथाम के लिए किया गया। आर्थिक भागीदारी, अभिलेखागार, युवा मामलों और खेल को लेकर दस्तावेजीकरण सहित संयुक्त बिजनेस फोरम में निवेश के लिए इनवेस्ट इंडिया और कतर के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा सीआईआई और कतर बिजनेसमैन एसोसिएशन ने दोनों देशों के शीर्ष उद्योगपतियों के बीच नेटवर्क बढ़ाने के लिए एमओयू किया।

भारत को मिलेगी 7.5 मिलियन टन एलएनजी

कतर भारत के लिए एलएनजी का बड़ा स्रोत है। दोनों देशों के बीच फरवरी 2024 में एक समझौता हुआ जिसमें कतर की पेट्रोएनर्जी लिमिटेड द्वारा भारत को प्रतिवर्ष 7.5 मिलियन मीट्रिक टन एलएनजी की वार्षिक सप्लाई की जाएगी। इसकी शुरुआत 2028 से होगा और समझौता 20 वर्षों के लिए मान्य होगा। बैठक में दोनों पक्षों ने ऊर्जा भागीदारी को मजबूत बनाने पर भी चर्चा की। कतर भारत में निवेश का बड़ा भागीदार है। उनके इन्वेस्टमेंट फंड ने वर्तमान में देश में 1.5 बिलियन डॉलर एफडीआई का बिजली, आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुलभ हाउसिंग में निवेश किया है। दोनों नेताओं ने इंफ्रास्ट्रक्चर, बंदरगाह, शिपबिल्डिंग, एनर्जी (रिन्यूएबल), स्मार्ट सिटी, फूड पार्क, स्टार्टअप और एआई, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग जैसी नई तकनीक से जुड़े कुछ क्षेत्रों की पहचान की है।

भर्ती में व्यवसाय संचालन विश्लेषक व ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल

टेस्ला ने भारत में शुरू की भर्ती, ईवी बाजार में प्रवेश के संकेत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला ने भारत में विभिन्न पदों के लिए भर्तियां शुरू की हैं। इनमें व्यवसाय संचालन विश्लेषक और ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल हैं, जो कंपनी के देश में प्रवेश के लिए एक अग्रदूत हो सकता है। कंपनी की वेबसाइट पर भर्ती वाली नौकरी की अधिसूचना के अनुसार, ये पद 'मुंबई उपनगरीय' क्षेत्र के लिए हैं। इन भूमिकाओं में सेवा सलाहकार, 'पार्ट्स' सलाहकार, सेवा तकनीशियन, सेवा प्रबंधक, बिक्री एवं ग्राहक सहायता, स्टोर प्रबंधक, बिक्री एवं ग्राहक सहायता शामिल है।

- अधिसूचना के अनुसार, ये पद 'मुंबई उपनगरीय' क्षेत्र के लिए

ये पद भी शामिल

इसके अलावा व्यवसाय संचालन विश्लेषक, ग्राहक सहायता पर्यवेक्षक, ग्राहक सहायता विशेषज्ञ, वितरण संचालन विशेषज्ञ, ऑर्डर संचालन विशेषज्ञ, आंतरिक बिक्री सलाहकार और उपभोक्ता सहभागिता प्रबंधक शामिल हैं।

भारत ने हाल ही में आयात शुल्क में दी रियायत

उनकी भारत यात्रा की योजना ऐसे समय में बनी है जब कुछ सप्ताह पहले ही सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति की घोषणा की है जिसके तहत 50 करोड़ डॉलर के न्यूनतम निवेश के साथ देश में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों को आयात शुल्क में रियायत दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य टेस्ला जैसी प्रमुख वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना है।

अभी कोई समयसीमा तय नहीं

कंपनी को ई-मेल कर पूछा गया कि ये भर्तियां कंपनी की भारतीय बाजार में प्रवेश की योजना का हिस्सा हैं तथा भारत में बिक्री शुरू करने की संभावित समयसीमा क्या है। हालांकि, फिलहाल इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिला।

भारत में प्रवेश का बेसब्री से इंतजार

टेस्ला द्वारा भारत में नियुक्तियां कंपनी के संस्थापक और अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हाल ही में हुई बैठक के बाद हुई हैं। भारतीय बाजार में टेस्ला के संभावित प्रवेश का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

पिछले साल प्रस्तावित भारत यात्री की थी रद्द

पिछले अप्रैल में, एलन मस्क ने 'बहुत भारी टेस्ला दायित्वों' का हवाला देते हुए आखिरी समय में भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी थी। हालांकि, प्रस्तावित यात्रा से उम्मीदें बढ़ गई थीं कि मस्क जल्द से जल्द भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री के लिए आगे की योजना की घोषणा करेंगे।

एनटीपीसी ने दिया 2,424 करोड़ का अंतरिम लाभांश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने मंगलवार को कहा कि उसने मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए अपने शेयरधारकों को 2,424 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अंतरिम लाभांश दिया है। एनटीपीसी ने बयान में कहा कि यह नवंबर, 2024 में दिए गए 2,424 करोड़ रुपये के पहले अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस बार 18 फरवरी को दिया गया 2,424 करोड़ रुपये का लाभांश कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 25 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने अबतक कुल 8,000 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है, जिसमें सितंबर, 2024 में दिया गया वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,152 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश शामिल है। यह लगातार 32वां वर्ष है, जब एनटीपीसी ने लाभांश का भुगतान किया है।

संचालनालय, आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी, (आयुष) छत्तीसगढ़
ब्लॉक-1, तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर 492002
फोन नं. (0771) 2221640, फैक्स-2221641,
ईमेल- cgayush@gmail.com

क्रमांक/1/स्था./महा./ प्रवेश / 2025-26 / 905 नवा रायपुर, दिनांक 14-02-2025

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में
बी.ए. एम.एस./ बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
// सूचना/

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जारी किये गये इन्फॉर्मेशन बुलेटिन एवं छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा (आयुष) विभाग, मंत्रालय के अधिसूचना दिनांक 6 सितम्बर 2023 द्वारा जारी किये गये "छत्तीसगढ़ आयुष स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2023₹ में दिये गये निर्देश / प्रावधान अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी क्षेत्र के आयुर्वेद / होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों के बी.ए.एम.एस./ बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (यूजी) - 2025 [NEET (UG) - 2025] की मेरिट (प्रावीण्यता) सूची के आधार पर किये जायेंगे। इस हेतु प्रदेश स्तर पर कोई प्रवेश परीक्षा आयोजित नही की जावेगी ।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा जारी विज्ञापन में ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 07 मार्च 2025 (रात्रि 11:50) तक एवं ऑनालईन फीस जमा करने की अंतिम तिथि 07 मार्च 2025 (रात्रि 11:50) तक निर्धारित है। विस्तृत विवरण राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) की वेबसाईट https://.nta.ac.in/, https://neet.nta.nic.in/ पर उपलब्ध है।

उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रदेश के इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि/समय तक आवेदन कर सकते हैं।

(इफ्फत आरा) आई.ए.एस.
संचालक, आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा,
यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छत्तीसगढ़

जी. 242505513/2

18- FEB- CITY- MAIN- Pg- 3 FRINT_Layout 1 2/19/2025 12:11 AM Page 1

बिलासपुर, बुधवार 19 फरवरी 2025 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी | वर्ष : 24, अंक : 317 | पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मांगी जानकारी, लापरवाही मिलने पर कार्रवाई
- बीएससी की आठ पोस्ट बेसिक नर्सिंग की 6 सीटों पर अतिरिक्त प्रवेश

सात नर्सिंग कालेजों की कुल सीटें 481, एडमिशन दे दिया 495 को, सभी को नोटिस, कड़ी कार्यवाही की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मनमानी का क्या हाल है, यह देखना है तो नर्सिंग कालेजों के एडमिशन को देखिए। छत्तीसगढ़ के सात कालेजों में कुल सीटें 481 थीं। लेकिन एडमिशन दे दिया 495 छात्रों को। जांच के बाद छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है। हैरत की बात यह है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अफसरों ने हिदायत दी थी, कालेज संचालकों ने सीटों से अधिक छात्रों को एडमिशन दे दिया। बीएससी नर्सिंग की 8 और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की 6 सीटों पर अतिरिक्त प्रवेश का मामला खुलने के बाद इन कालेजों से जवाब मांगा गया है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि लापरवाही तय होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और ⏭ शेष पेज 6 पर

बीएससी नर्सिंग एडमिशन

बिलासा इंस्टी. ऑफ नर्सिंग बिलासपुर	80 सीट	81 एडमिशन
कांफ्लुएंस कालेज ऑफ नर्सिंग नांदगांव	60 सीट	61 एडमिशन
ग्रेसिएस कालेज ऑफ नर्सिंग रायपुर	60 सीट	61 एडमिशन
होलीक्रास कालेज ऑफ नर्सिंग सरगुजा	61 सीट	62 एडमिशन
संदीपनी एकेडमी बिलासपुर	100 सीट	101 एडमिशन
सृष्टि नर्सिंग कालेज रायपुर	60 सीट	63 एडमिशन
पोस्ट बेसिक नर्सिंग प्रवेश		
श्रीनारायणा नर्सिंग इंस्टी. रायपुर	60 सीट	66 एडमिशन

दस्तावेजों के आधार पर सूची जारी

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय द्वारा उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची जारी कर दावा आपत्ति मंगाया गया। 21 फरवरी तक दावा आपत्ति काउंसिलिंग कमेटी के समक्ष जेएन मेडिकल कालेज में प्रस्तुत किया जा सकता है। जारी सूची में एमएससी नर्सिंग में ऑनलाइन 547, ऑफलाइन 170 मिलाकर 717, पोस्ट बेसिक नर्सिंग में ऑनलाइन 2425 तथा ऑफलाइन 109 कुल 2534 तथा बीएससी नर्सिंग 2430 ऑफलाइन और 2425 ऑनलाइन मिलाकर कुल 4855 लोगों का एडमिशन हुआ है।

डीएमई कार्यालय से अपडेट नहीं हुआ

कालेज में एडमिशन का जो अंतर आया है, वह प्रथम और द्वितीय काउंसिलिंग के दौरान प्रवेश रद्द कराने वालों से संबंधित है। इस संबंध में कालेजों द्वारा पत्र जमा कराया गया था, जिसे सूची तैयार करने के दौरान डीएमई कार्यालय से अपडेट नहीं किया गया। कालेज प्रबंधन द्वारा कमेटी के सामने उपस्थित होकर इसे अपडेट करा लिया जाएगा।

- **महेन्द्र चौबे**, प्रदेश अध्यक्ष, प्राइवेट नर्सिंग कालेज एसोसिएशन छत्तीसगढ़

आगामी सत्र को लेकर होगी चर्चा

कैबिनेट 22 को, बजट पर लगेगी मुहर, तीन मार्च को विधानसभा में होगा पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 22 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह बैठक मंत्रालय में सुबह 11.30 बजे से शुरू होगी, जिसमें आगामी विधानसभा के बजट सत्र को लेकर चर्चा होगी।

कैबिनेट में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप देने का प्रयास होगा। वित्तमंत्री द्वारा विभागीय मंत्रियों से बजट के लिए नए प्रस्ताव लिए जाने के बाद विभागीय बजट का स्वरूप तय करने पर अंतिम चर्चा कैबिनेट में होगी। 24 फरवरी से विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो रहा है। सत्र के दौरान 3 मार्च को वित्त मंत्री ओपी चौधरी बजट पेश करेंगे। भाजपा सरकार बनने के बाद वित्तमंत्री अपना दूसरा बजट पेश करेंगे। इसके अलावा, सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों पर भी मंथन किया जा सकता है।

बैठक में अहम फैसले लिए जाने की संभावना

बैठक में सरकार के आगामी एजेंडे को लेकर भी अहम फैसले लिए जाने की भी संभावना है। कैबिनेट में अन्य विभागों के प्रस्तावों पर भी चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। वहीं सत्र के दौरान लिए जाने वाले नए निर्णयों पर भी मंथन होगा।

सऊदी अरब की मध्यस्थता में अमेरिका और रूस के बीच पहली बैठक

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की अटकलें शांति वार्ता के लिए बनेगी हाईलेवल टीम

एजेंसी ⏭ रियाद

यूक्रेन की जंग खत्म करने की दिशा तलाशने के लिए सऊदी अरब ने अमेरिका और रूस के बीच पहली बैठक की मध्यस्थता की। इस बैठक का उद्देश्य यह आम सहमति बनाना था कि दोनों देश मिलकर किस तरह यूक्रेन में रूसी जंग को रोक सकते हैं। अमेरिका-रूस के अधिकारी यूक्रेन में शांति और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने को लेकर वार्ता के लिए हाई लेवल टीम बनाने पर राजी हुए। हालांकि इस बैठक में यूक्रेन शामिल नहीं हुआ।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि दोनों पक्ष मोटे तौर पर तीन चीजों पर सहमत हुए हैं। इसमें वाशिंगटन और मॉस्को में अपने-अपने दूतावासों में स्टाफ की बहाली, यूक्रेन शांति वार्ता का समर्थन करने के लिए एक हाई लेवल टीम का गठन और घनिष्ठ संबंधों व आर्थिक सहयोग की संभावनाएं तलाशना शामिल है। दोनों दूतावासों को कई सालों के दौरान बड़ी संख्या में राजनयिकों के निष्कासन से भारी नुकसान हुआ है। इसकी वजह से दोनों देशों के संबंध में खटास आ गई। अमेरिका ने यूरोपीय देशों के साथ मिलकर रूस पर कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। सऊदी अरब की मध्यस्थता में चार घंटे चली बैठक में माना जा रहा था कि जल्द ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भी द्विपक्षीय वार्ता का रास्ता साफ होगा, लेकिन बैठक में इसपर भी फिलहाल कोई सहमति नहीं बनी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रूसी प्रतिनिधि ने बताया कि पुतिन-ट्रंप की मीटिंग की तारीख बताना जल्दबाजी होगी।

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए यूक्रेन ने रखी शर्त

बैठक में खुद यूक्रेन अभी तक शामिल नहीं

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर लंबी बातचीत के बाद ट्रंप सऊदी अरब की मध्यस्थता में रूस के साथ वार्ता की शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन खास बात ये है कि यूक्रेन की किस्मत तय करने वाली इस वार्ता का खुद यूक्रेन अभी तक हिस्सा नहीं है। ना ही वो यूरोपीय देश इसमें शामिल हैं, जो लगातार यूक्रेन के पीछे खड़े रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की साफ कर चुके हैं कि वो ऐसे किसी समझौते को नहीं मानेंगे जिसका यूक्रेन हिस्सा नहीं होगा।

अमेरिका-रूस में किन मुद्दों पर सहमति?

अमेरिका की तरफ से टैमी ब्रूस ने बताया कि रूस के साथ इस इस बात पर सहमति बनी कि दोनों मुल्क द्विपक्षीय संबंधों में आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए बातचीत का रास्ता तलाशेंगे। दोनों देशों में राजनयिक मिशनों को फिर से शुरू करने पर भी बातचीत होगी।

समझौते की बात करना अभी जल्दबाजी

रूसी प्रतिनिधि किरिल दिमित्रिव ने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद समझौते की बात करना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को सुनना शुरू कर दिया है। एक-दूसरे के साथ सम्मान और समानता का व्यवहार कर रहे हैं।

इन मुद्दों पर मंथन

- अमेरिका और रूस हाई-लेवल टीम बनाएंगे, जो स्थायी होगा और सभी को स्वीकार्य होगा
- यह टीम रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए दिशा तलाशेंगे
- दोनों मुल्कों को सहमत करने और रूस-यूक्रेन के बीच समझौते पर स्वीकार्यता हासिल करने जिम्मेदारियां होंगी
- जंग समाप्त होने के बाद अमेरिका और रूस आपस में किस तरह काम करेंगे, इसको लेकर वे जियोपालिटिकल मामलों और आर्थिक निवेश जैसे मुद्दों पर भी सहयोग स्थापित करेंगे
- बीच-बीच में दोनों मुल्क बातचीत की भी निगरानी करेंगे, जिससे यूक्रेन में जल्द शांति कायम की जा सके

राष्ट्रपति ने लगाई मुहर

'आप' को बड़ा झटका सत्येंद्र पर चलेगा केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद आज आम आदमी पार्टी को एक और झटका लगा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आप नेता सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चालने के लिए प्रवर्तन निदेशालय को अनुमति दे दी है। बता दें कि गृह मंत्रालय ने दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मंजूरी मांगी थी।

गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय की जांच और पर्याप्त सबूतों के आधार पर जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति से अनुरोध किया था। बता दें कि जांच एजेंसी ने कथित हवाला लेनदेन से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जैन पर मामला दर्ज किया था और मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं और ईडी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

पीएमएलए के तहत केस

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला इस आरोप पर दर्ज किया गया था कि जैन ने 2015 से 2017 के बीच विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर चल संपत्ति अर्जित की थी, जिसका वह संतोषजनक हिसाब नहीं दे सके। बाद में ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भी मामला दर्ज किया और आरोप लगाया कि उनके स्वामित्व वाली और नियंत्रित कई कंपनियों ने हवाला के माध्यम से कोलकाता स्थित एंट्री ऑपरेटरों को हस्तांतरित नकदी के बदले शेल कंपनियों से 4.81 करोड़ रुपये की आवास प्रविष्टियां प्राप्त कीं।

2022 में ईडी ने किया था गिरफ्तार

ईडी ने जैन पर हवाला कारोबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मामला दर्ज किया था। मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के समय जैन के पास स्वास्थ्य, बिजली और कुछ अन्य मंत्रालय थे, लेकिन बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। पिछले साल अक्टूबर में दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई में देरी का हवाला देते हुए 18 महीने की सजा के बाद जैन को जमानत दे दी थी। वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं और ईडी ने उनके खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है।

लाखों श्रद्धालुओं से भरने वाला राजिम कुंभ-कल्प इस बार हजारों में सिमटा

श्याम किशोर शर्मा ⏭ राजिम

वजह...प्रयागराज का महाकुंभ, चुनावों और परीक्षाओं का सीजन, थोड़ी बदइंतजामी

छत्तीसगढ़ का अपना कुंभ है राजिम कुंभ। इसे छत्तीसगढ़ का प्रयागराज भी कहा जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इसे खूब महत्व देती रही हैं और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र भी रहा है। देशभर से साधु जुटते हैं। लाखों लोग अपने कुंभ में ध्यान-स्नान के लिए जमा होते हैं। ऐसा साल दर साल होता रहा है। लेकिन इस बार तस्वीर थोड़ी अलग है। लाखों की भीड़ हजारों में दिख रही है। खासतौर पर दिन में दुकानदार खरीदारों के लिए तरस गए हैं। शाम को थोड़ी रौनक होती है। लेकिन पहले जैसी बात नहीं दिखती। इसके कई कारण हैं।

वैसे प्रशासन ने तैयारियां खूब की हैं। राजिम शहर और चौबेबांधा गांव के बीच 54 एकड़ ⏭ शेष पेज 6 पर

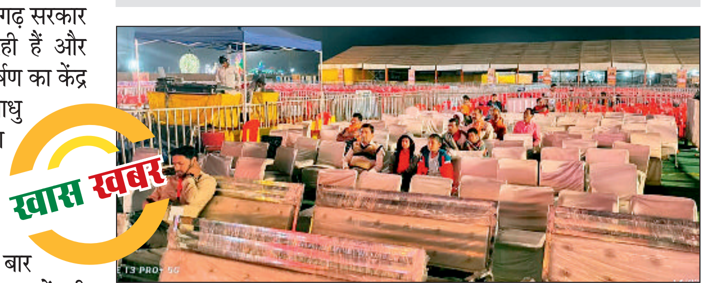

- लोग आ रहे हैं लेकिन कम संख्या में, दिन में खरीदारों के लिए तरसे दुकानदार
- शाम को लगातार कार्यक्रम, मनोरंजन के साधन भी, फिर भी भीड़ नहीं जुट रही

कई कारणों से राजिम कुंभ कल्प फीका

छत्तीसगढ़ के प्रयागराज राजिम के कुंभ मेले में 15 से 25 लाख लोग यहां पहुंचते थे। इस बार कुछ ऐसे कारण हुए हैं जिसकी वजह से भीड़ कम नजर आ रही है। दिन की गर्मी मार्च और अप्रैल जैसी हो गई है। लोग दिन में आने से बच रहे हैं। छात्रों की परीक्षाएं चल रही हैं। किसान रबी फसल लगाए हुए हैं और पंचायत चुनाव हो ⏭ शेष पेज 6 पर

लिव-इन पार्टनर की याचिका पर हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

जब बिना शादी बेशर्मी से साथ रह रहे, तो रजिस्ट्रेशन से निजता का उल्लंघन कैसे?

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य के समान नागरिक संहिता के तहत लिव-इन रिलेशनशिप की अनिवार्य रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पूछा कि जब कपल्स बिना शादी के बेशर्मी से साथ रह रहे हैं, तो रजिस्ट्रेशन उनकी निजता का उल्लंघन कैसे कर रहा है? हाईकोर्ट के ⏭ शेष पेज 6 पर

याचिकाकर्ता ने क्या दिया तर्क?

याचिका देने वालों ने अदालत में दलील दी कि अनिवार्य रजिस्ट्रेशन का प्रावधान उनके निजता पर आक्रमण है। अगर उन्होंने इसे पूरा नहीं किया तो उन्हें जेल या जुर्माना का सामना करना पड़ सकता है। उनका कहना है कि वे एक इंटर-फेथ जोड़ हैं, जिसके कारण उनके लिए समाज में रहना और अपने रिश्ते का रजिस्ट्रेशन कराना मुश्किल है।

1 अप्रैल को होगी सुनवाई

इस मामले की सुनवाई 1 अप्रैल को अन्य समान याचिकाओं के साथ करेगा। कोर्ट के इस कदम ने राज्य में विवादास्पद यूसीसी के इर्द-गिर्द चल रही सार्वजनिक चर्चा को और गरमा दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाली सुनवाई में कौन से नए तर्क सामने आते हैं।

18- FEB- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 2/18/2025 10:03 PM Page 1

चिंतन

यूक्रेन के बिना यूएस-रूस वार्ता सिरे नहीं चढ़ेगी

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन शायद जल्दी में है। रूस व यूक्रेन जंग समाप्त कराने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने की जल्दी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने सीधे रूस के साथ वार्ता-ए-आगाज की है। रूस व यूक्रेन के बीच शांति कायम करने के लिए यह वार्ता सऊदी अरब में हो रही है। चौंकाने वाली बात है कि युद्ध के अहम भागीदार यूक्रेन को इस वार्ता में शामिल ही नहीं किया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस वार्ता को लेकर नाराजगी जताई है और दोनों को साफ संदेश दिया है कि यूक्रेन वार्ता के किसी निर्णय को नहीं मानेगा। बड़ा सवाल है कि युद्ध यूक्रेन व रूस के बीच है, इसलिए वार्ता का पहला हक इन दोनों मुल्क को है। आखिर अमेरिका किस हैसियत से यह वार्ता कर रहा है? यूक्रेन ने न ही उसे अपना वार्ताकार नियुक्त किया है व न ही उसे मध्यस्थता के लिए कहा है। तो अमेरिका कहां खड़ा है? यदि अमेरिका रूस का मन टटोलने के लिए बात कर रहा है, तो उसने यूक्रेन को विश्वास में क्यों नहीं लिया? यूक्रेन अगर इस वार्ता के नतीजे को नहीं मानेगा तो आखिर इस वार्ता का औचित्य क्या रह जाएगा? हड़बड़ी में की गई अमेरिकी पहल से यह संदेश निकल रहा है कि यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाने में व साथ निभाने में अमेरिकी हाथ रहा है। अब अमेरिका यूक्रेन को अपने हाल पर छोड़ने की जल्दी में है। यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस को सबक सिखाने की अमेरिकी मंशा पर पानी फिरता दिख रहा है। ट्रंप से पहले की डेमोक्रेट सरकार की नीति रूस को अलग-थलग करने की थी, इसलिए खुले तौर पर यूक्रेन का साथ यूएस दे रहा था। अब ट्रंप प्रशासन दुनिया के पटल पर रूस को अलग-थलग करने की अमेरिकी नीति को बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी क्रम में वह वार्ता कर रहा है, किंतु यूक्रेन को विश्वास में लेकर भी यह पहल अमेरिका कर सकता था। माह के शुरू में ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के प्रति अमेरिकी नीति को बदल दिया था। अच्छा होता अमेरिका वार्ता टेबल पर रूस व यूक्रेन के साथ होता, जो भी बात होती, उसमें पारदर्शिता होती। यूक्रेन की संप्रभुता की अनदेखी करके कोई भी शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती है। अतीत में कई उदाहरण हैं, जिसमें एक पक्षकार के बिना अंतरराष्ट्रीय मुद्दे सुलझाने की पहल औंधे मुंह गिरी है। अफ्रीकी महाद्वीप के बंटवारे के लिए वर्ष 1884-1885 की सर्दियों में जर्मनी ने यूरोप के शक्तिशाली देशों के साथ वार्ता की थी, पर इसमें अफ्रीका का कोई देश शामिल नहीं था। नतीजा 20वीं सदी का पहला नरसंहार व अत्याचार के रूप में निकला था। समोआ को लेकर जर्मनी, ब्रिटेन व अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय सम्मेलन में समोआ शामिल ही नहीं था। समोआ आज भी बंटा हुआ है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश और फ्रांसीसी प्रतिनिधि के बीच ऑटोमन साम्राज्य के बंटवारे को लेकर साइक्स-पिकॉट समझौता हुआ, इसमें ऑटोमन शामिल नहीं था। ब्रिटेन व जर्मनी के बीच चेकोस्लोवाकिया को लेकर म्यूनिख समझौता को विश्वासघात के रूप में देखा जाता है। वर्ष 1938 में फ्रांस समेत 32 देशों ने जर्मनी में यहूदी शरणार्थियों की स्थिति पर एवियन सम्मेलन किया, जिसमें जर्मनी शामिल नहीं था। पोलैंड को लेकर जर्मनी व सोवियत संघ के बीच समझौता में पोलैंड शामिल नहीं था। वर्ष 1945 में अमेरिका, ब्रिटेन व सोवियत रूस के बीच यूरोप के भाग्य के फैसले को लेकर याल्टा सम्मेलन हुआ, जिसमें प्रभावित कोई मुल्क नहीं था। इसलिए अमेरिका को अतीत से सबक लेते हुए शांति वार्ता में रूस व यूक्रेन दोनों को शामिल करना चाहिए।

कूटनीति
डॉ. एन.के. सोमानी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक प्रेस-कांफ्रेंस में गाजा के भविष्य को लेकर एक योजना प्रस्तुत की। ट्रंप ने कहा कि फिलीस्तीनी जनता को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर गाजा को लग्जरी रिजॉर्ट में तब्दील किया जाएगा, जहां दुनिया का कोई भी व्यक्ति आ सकेगा। ट्रंप ने कहा कि वो युद्ध में तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण करेंगे। पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने तक गाजा के लोगों को दूसरे अरब देश में बसाया जाएगा। अरब देश इसलिए भी हतप्रभ हैं, क्योंकि उन्होंने परियोजना को वास्तविकता का जामा पहनाने के लिए सेना भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया।

गाजा पर ट्रंप के बयान से हलचल

पिछले दिनों जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पर नियंत्रण कर उसे लग्जरी पर्यटन केंद्र (मध्यपूर्व का रिवेरा) के रूप में तब्दील करने का ऐलान किया तो पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में कूटनीतिक हलचल पैदा कर दी। मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर फिलिस्तीन अथॉरिटी और अरब लीग ने संयुक्त रूप से ट्रंप की इस योजना की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका गाजा पर कब्जा करता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरिता को खतरा हो सकता है और संघर्ष और बढ़ सकता है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी ट्रंप के बयान की आलोचना की। उनका कहना है कि गाजा पर समाधान की खोज में किसी भी प्रकार के जातीय सफाए से बचना आवश्यक है। अब मिस्र भी कूद गया है।

गुटेरेस के बयान से साफ है कि ट्रंप की इस योजना से क्षेत्रीय शांति पर असर पड़ सकता है। दरअसल, कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक प्रेस-कांफ्रेंस में गाजा के भविष्य को लेकर एक योजना प्रस्तुत की। ट्रंप ने अपनी योजना को दुनिया के सामने रखते हुए कहा कि फिलीस्तीनी जनता को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर गाजा को लग्जरी रिजॉर्ट में तब्दील किया जाएगा, जहां दुनिया का कोई भी व्यकित आ सकेगा। ट्रंप ने योजना का खुलासा करते हुए यह भी कहा कि वो युद्ध में तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण करेंगे। पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने तक गाजा के लोगों को दूसरे अरब देश में बसाया जाएगा। ट्रंप की परियोजना से अरब देश इसलिए भी हतप्रभ हैं, क्योंकि उन्होंने परियोजना को वास्तविकता का जामा पहनाने के लिए सेना भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। ट्रंप मूल रूप से एक अरबपति बिल्डर हैं। वो कारोबार की दुनिया से राजनीति में आए हैं। इसलिए जब गाजा के पुनर्निर्माण की बात आई तो उन्होंने यह कह दिया कि अगर गाजा को फिर से बसाना है तो उसके नागरिकों को मलबे में शरण नहीं देनी चाहिए। लेकिन 15 महीनों के युद्ध में जिस तरह से गाजा तबाह हुआ है उसे देखते हुए गाजा के पुनर्निर्माण में दशकों का समय लगेगा। यूएन के आंकड़ों के अनुसार इस समय गाजा में जितना कचरा जमा है उसे हटाने में कम से कम 21 साल का समय लग सकता है। उसका कहना है कि गाजा में 2008 से अब तक हुए संघर्ष में जितना मलबा पैदा हुआ है, उससे 17 गुना अधिक कचरा पिछले 15 महीने के युद्ध में हो गया है।

ऐसे में पहले तो बिना फटे हथियारों और मलबे के पहाड़ों को हटाना होगा। पानी-बिजली की सप्लाई बहाल करनी होगी। इसके बाद स्कूलों, अस्पतालों व दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने होंगे। इस काम में कई साल लग सकते हैं। इसलिए ट्रंप चाहते हैं कि जब तक गाजा के पुनर्निर्माण का काम पूरा हो, तब तक फिलिस्तीनियों को कहीं दूसरी जगह जाना चाहिए। सवाल यह है कि जिस जमीन को लेकर बीते सवा साल में 50 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों ने अपनी जान गंवा दी, उसे छोड़ने के लिए वे कैसे राजी हो सकते हैं।

पूरे मामले का सूक्ष्म अवलोकन करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की पूरी परियोजना ही न केवल सवालों और संदेह के घेरे में हैं, बल्कि पूरी तरह से हवा-

हवाई, अनैतिक और कानूनी पेचिदगियों से भी भरी हुई है। पहला और सबसे अहम सवाल तो यह है कि इजरायल-हमास शांति समझौते के बीच उद्घोषित इस योजना को लागू करने का अर्थ क्या मीडिल ईस्ट को लेकर अमेरिकी नीति में आए बदलाव का संकेत है। अब तक अमेरिका 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' को मान्यता देता था। वह इजरायल के साथ-साथ एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन राष्ट्र का समर्थक रहा है। गाजा में फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने से क्या फिलिस्तीनी राज्य का दर्जा खत्म नहीं हो जाएगा। क्या ट्रंप की परियोजना अमेरिका पोषित 'द्वी राष्ट्रवाद' के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है। दूसरा जिस तरह से फिलिस्तीनियों के विस्थापन की बात कही जा रही है, क्या उससे हमास-इजरायल शांति समझौता लागू होने से पहले ही खत्म नहीं हो जाएगा। नेतन्याहू के साथ बैठक से पहले ट्रंप कह चुके हैं कि उनके पास कोई गारंटी नहीं है कि गाजा में मौजूदा युद्धविराम समझौता कायम रहेगा। ऐसे में गाजा में बंधकों की रिहाई की उम्मीद क्या फिर खत्म हो जाएगी। तीसरा, योजना को उद्घाटित करने से पहले क्या ट्रंप ने गाजा की राजनीतिक, ऐतिहासिक और सुरक्षा संबंधी जटिलताओं पर भी कोई होमवर्क किया है। परियोजना पर अमेरिकी समर्थक अरब राष्ट्र भी विश्वास के लिए तैयार नहीं है। उनके संदेह के भी जायज कारण है। जिस तरह से ट्रंप ग्रीनलैंड को खरीदने, कनाडा को अमेरिका में मिलाने, मैक्सिकों की खाड़ी का नाम बदलने और पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं उससे भी ट्रंप की 'सद्इच्छा' पर संदेह होता है। संदेह की दूसरी बड़ी वजह बेंजामिन नेतन्याहू का 'ग्रेटर इजरायल' का सपना भी है। कहीं ऐसा तो नहीं कि गाजा के पुनर्निर्माण का काम पूरा होने के बाद ट्रंप सजा-संवरा गाजा इजरायल को सौंप दे। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका किस कानूनी आधार पर गाजा में इस तरह का कदम उठा सकता है। अंतरराष्ट्रीय कानून में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जिसके आधार पर बड़ी आबादी को जबरन विस्थापित किया सकता हो। गाजा फिलिस्तीनियों का घर है। 1948 के युद्ध के दौरान भी वे विस्थापन की पीड़ा भुगत चुके हैं, इसलिए जाहिर है कि ट्रंप की योजना कानूनी और नैतिक दोनों ही दृष्टि से उचित नहीं हैं। अरब नेताओं ने दशकों तक फिलिस्तीनी राष्ट्रीय मुद्दे को अपनी राजनीति के केंद्रीय तत्व के रूप में रखा है। ट्रंप की योजना अरब राजनीति की इस केन्द्रीय तत्व को भी कमजोर करती है। फिलिस्तीनियों को जबरन दूसरी जगह भेजने की योजना न केवल टू-स्टेट सॉल्यूशन को खत्म करेगी बल्कि इसे अरब देशों द्वारा जातीय सफाए के रूप में भी देखा जाएगा।

जैसा कि यूएन महासचिव कर रहे हैं। योजना के पटाक्षेप के बाद जिस मुखरता से अरब देशों ने इसका विरोध किया है, उससे जाहिर है वे ट्रंप के प्रस्ताव को स्वीकार करने के मूड में कतई नहीं है। ट्रंप की योजना पश्चिम एशिया में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने और मिडिल ईस्ट के देशों पर कड़ी नजर रखने (खासकर ईरान) का प्रयास भी हो सकती है। इसके अलावा लाल सागर पर भी अमेरिका अपना प्रभाव कायम करने की मंशा रखता है जिससे उसे अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर बढ़त हासिल हो सके। हूती जैसे संगठनों पर लगाम लगाने के लिए भी यह योजना कारगर साबित हो सकती है। गाजा पर कब्जा कर वह हूती के गढ़ यमन पर भी अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। संदेह के तमाम कारणों के बीच अरब राष्ट्रों को जो सवाल सबसे ज्यादा परेशान कर रहा है वह यह कि क्या यह ट्रंप का महज एक विवादित बयान है या इसके पीछे कोई गंभीर रणनीति छिपी हुई है। कहीं ऐसा तो नहीं कि ट्रंप अपनी इस योजना के जरिए पश्चिमी हितों को पूरा करने के लिए अरब शासन के विघटन का कोई नुस्खा दे रहे हैं।

(लेखक एमजेजीसी सूरतगढ़ (राजस्थान) में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

काशी तमिल संगमम
सुभाष चन्द्र

विश्वनाथ के साथ भारती का घर भी बन गया तीर्थ

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 फरवरी, 2025 को काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का औपचारिक उद्घाटन किया। पतित पावनी गंगा के तट पर नमो घाट पर दो संस्कृतियों के मिलन को सहज ही समझा जा सकता है। तमिलनाडु से संगमम में शामिल होने के लिए जो भी जत्था आता है, वो पहले गंगा में स्नान करता है। मंदिरों में पूजन-परिक्रमा आदि करता है। बाबा विश्वनाथ का आशीष लेता है। साथ ही हनुमान घाट स्थित स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात कवि सुब्रह्मणयम भारती के घर जरूर जाता है। दरअसल, सनातन धर्म में मोक्ष की कामना लिए हर व्यक्ति अपने जीवनकाल में एक बार काशी आना चाहता है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी। यहां आदिदेव महादेव विराजते हैं। पुराणों और वैदिक ग्रंथों में इस नगरी की काफी महत्ता बताई गई है। विदेशी भी यहां घूमने आते रहे हैं। उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे बसा यह नगर हमेशा से लोगों को आकर्षित करता रहा है। हाल के दिनों में यहां एक नया तीर्थ बन गया है। वह तीर्थ है - स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात कवि सुब्रह्मणयम भारती का घर। यूं तो तमिलनाडु से आने वाले अधिकतर लोग हनुमान घाट और केदार घाट पर गंगा में स्नान करते हैं। यहां से वह कई मठों में पूजा अर्चना करते हैं। उसके बाद बाबा विश्वनाथ का दर्शन करते रहे हैं। लेकिन, काशी तमिल संगमम के आयोजन से हनुमान घाट पर शंकर मठ के सामने स्थित सुब्रह्मणयम भारती का घर स्वयमेव तीर्थ बन गया है। हर खास और आम उनकी देहरी को नमन करना चाहता है, जहां सुब्रह्मणयम भारती ने अपना लगभग पूरा जीवन बिता दिया। असल में, केदार घाट और हनुमान घाट को काशी में मिनी तमिलनाडु कहते हैं। यहां सैकड़ों तमिल परिवार सदियों से निवास करते हैं। यहां इनकी पूरी संस्कृति दिखती है। पं. वेंकट रमण घनपाठी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु का गहरा रिश्ता है। ये समागम महज एक पखवाड़े का नहीं सदियों पुराना है। तमिल भाषा के महाकवि सुब्रमण्यम भारती ऐसे साहित्यकार थे, जो सक्रिय रूप से 'स्वतंत्रता आंदोलन' में शामिल रहे, जबकि उनकी रचनाओं से प्रेरित होकर दक्षिण भारत में आम लोग आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। ये ऐसे महान कवियों में से एक थे, जिनकी पकड़ हिंदी, बंगाली, संस्कृत, अंग्रेज़ी आदि कई भाषाओं पर थी, पर तमिल उनके लिए सबसे प्रिय और मीठी भाषा थी। उनका 'गद्य' और 'पद्य' दोनों विधाओं पर समान अधिकार था। इन्हें महाकवि भरतियार के नाम से भी जाना जाता है। इनकी देश प्रेम की कविताएं इतनी श्रेष्ठ हैं कि इन्हें भारती उपनाम से ही पुकारा जाने लगा। सुब्रह्मणयम भारती का मानना था कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रहे। स्वतंत्र रूप से सोचना-विचारना केवल मातृभाषा के माध्यम से ही संभव हो सकता है और उसी राष्ट्र की शिक्षा प्रणाली सफल हो सकती है, जो मातृभाषा के माध्यम से दी जाएगी। विलायती भाषा द्वारा पढ़ाई से राष्ट्रभाषा मन्द पड़ने लगेगी और कालान्तर में मिट ही जाएगी। आज की शिक्षा मस्तिष्क के विकास की है, जबकि मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए आत्मा का विकास महत्वपूर्ण है। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जिसके द्वारा हम अपने अतीत के साथ न्याय करते हुए भविष्य की मांग के अनुरूप बन सकें। सुप्रसिद्ध कवि सुब्रह्मण्य भारती की प्रारंभिक कविताओं में तमिल राष्ट्रवाद का उल्लेख मिलता है, किन्तु स्वामी विवेकानंद के प्रभाव में आने के बाद उनकी जीवन के उत्तरार्ध में लिखी कवितायें भारतीय हिन्दू राष्ट्रवाद का गुणगान करती हैं। उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्वीकार किया कि यह परिवर्तन उनकी गुरु भगिनी निवेदिता और स्वामीजी के कारण उत्पन्न हुआ। भारती का प्रिय गान बंकिम चन्द्र का 'वन्दे मातरम्' था। 1905 में काशी में हुए 'कांग्रेस अधिवेशन' में सुप्रसिद्ध गायिका सरला देवी ने यह गीत गाया। भारती भी उस अधिवेशन में थे। मद्रास लौटकर भारती ने उस गीत का उसी लय में तमिल में पद्यानुवाद किया, जो आगे चलकर तमिलनाडु के घर-घर में गूंज उठा।

'अन्न चत्रम आथिरम वैत्तल आलयम पतिनारियम नाट्टल
अन्न याविलुम पुण्यम कोड़ो आंकोर एवैकु एलुत्तरिवित्तल'

यह उद्गार हैं, सुब्रह्मण्य भारती के, जो हर तमिल पाठक के हृदय में वास करते हैं। शिक्षा दान को सर्वोपरि मानने वाले भारती केवल एक लेखक या कवि ही नहीं, एक स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भी थे। उनके विचारों और लेखन में अपने समय से बहुत आगे की सोच थी। वे कथनी और करनी के बीच अंतर नहीं रखते थे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है

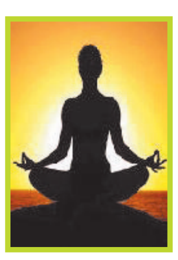

संकलित
दर्शन

योग प्रकृति की स्वतः स्फूर्त प्रक्रिया है। योग के ही चलते मां के गर्भ में आना और जीवन धारण करना संभव होता है। उसके बाद जन्म लेते ही सांसारिक-योग आरंभ होता है। घर-परिवार और समाज के साथ योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जीवन के समापन पर फिर प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर विलीन होना भी योग है। ऋषियों ने प्रकृति की गूंज सुनकर उसमें त्रिस्तरीय योग का जो स्वरूप देखा उसमें 'ऊं' शब्द दिखाई पड़ा। इस 'ऊं' में 'अ', 'उ' और 'म' का योग है। गर्भ में अस्तित्व में आना 'अ', जन्म के बाद उत्थान 'उ' तथा मृत्यु 'म' का संयुक्त होना भी योग है। ऋषियों ने अंतिम अक्षर 'म' को हलंत कर आधा इसलिए कर दिया, क्योंकि मनुष्य की मृत्यु पूरी नहीं होती। पंच भौतिक शरीर प्राकृतिक पदार्थों के साथ योग कर पुनः अनंत में विलीन हो जाता है, जबकि आत्मा जीवंत रहता है और पुनः नए शरीर के साथ योगभाव में आता है। प्राकृतिक योग को भी देखा जाए तो क्षिति तत्व धरती के साथ योगनिष्ठ होकर धरती में मिल जाता है, अग्नि आकाश की ओर अपने देही सूर्य के साथ योग करने को ऊपर की ओर उठती है तो जल, जल के साथ, वायु, वायु के साथ तथा गगन तत्व शून्य के साथ योग-भाव में हो जाता है। इस तरह देखा जाए तो कदम-कदम पर योग का प्रकट भाव दिखाई पड़ता है। मानव शरीर के अंदर और बाहर जो योग हो रहा है, उसे नियमित जीवन में अपनाकर कोई भी व्यक्ति उर्ध्वमुखी जीवन प्राप्त कर सकता है।

पालनकर्ता की विनम्रता है जरूरी

संकलित
प्रेरणा

एक प्राचीन कथा के मुताबिक, ब्रह्मा और विष्णु ने शिवलिंग के मस्तक और पैरों की खोज शुरू की। ब्रह्मा को शिव का मस्तक ढूंढने का और विष्णु को शिव के पैर ढूंढने का कार्य सौंपा गया। सभी देवता इसके आरंभ और अंत के विषय में जानने के लिए उत्सुक थे। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा आरंभ की और वे आगे बढ़ते गए। कई लोक पीछे छूट गए और कई युग बीत गए। फिर भी ब्रह्मा शिव के मस्तक का पता नहीं लगा पाए। सृष्टि का एक अंत है। सृजन एक बिंदु पर समाप्त होता है। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा उसके बाद भी जारी रखी। उन्होंने एक केतकी का पुष्प देखा जो आकाश से नीचे आ रहा था। ब्रह्मा ने केतकी पुष्प से पूछा, 'तुम कहां से आ रहे हो? क्या तुमने शिव का मस्तक देखा है? यहां से शिव का मस्तक कितनी दूर है?' केतकी पुष्प ने कहा, 'मैं शिव के मस्तक से आ रहा हूं।' तो ब्रह्मा ने निष्कर्ष निकाला कि शिव का एक मस्तक था और वे पुष्प लेकर नीचे आए। विष्णु का कार्य शिव के पैरों की खोज करना था। ऐसा कहा जाता है कि विष्णु बहुत विनम्र हैं। पालनकर्ता को हमेशा बहुत विनम्र होना चाहिए। रचयिता जैसा भी हो, यदि पालनकर्ता विनम्र हो, तभी पालन कार्य संभव है। व्यवसाय आरंभ करना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आपको व्यवसाय चलाने के लिए बहुत सतर्क, बहुत विनम्र रहना पड़ेगा, अन्यथा व्यापार डूब जाएगा। विष्णु की विनम्रता ने ही उन्हें शिव के चरणों को ढूंढने का कार्य करने योग्य बनाया। युगों तक यात्रा करने के बाद, विष्णु शिव के चरणों को ढूंढने में सक्षम नहीं हुए।

कुंभ से पहुंचे वाराणसी

प्रयागराज कुंभ से वाराणसी पहुंचे आवाहन अखाड़े के साधुओं ने मंगलवार को यहां शोभायात्रा निकाली जिसमें नागा साधुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

आज की पाती

महंगाई को मिलकर नकेल दें सरकारें

देश के लोग इस वक्त महंगाई से त्रस्त हैं। सरकार को महंगाई रोकने के अपने वादों को पूरा करना चाहिए। अकसर यह देखा जाता है कि चुनाव के दौरान भारी भरकम वादे किए जाते हैं, लेकिन उन वादों को निभाया नहीं जाता है। केंद्र की वर्तमान सरकार ने भी चुनाव के दौरान महंगाई पर नकेल कसने का वादा किया था, लेकिन वह इस वादे को पूरा नहीं कर पाई है। प्रायः हर प्रदेश में खाद्य पदार्थों के दाम ऊपर ही जा रहे हैं। आटा, चावल, सब्जियां, तेल, दालों आदि के भाव अपनी ऊंचाई पर हैं। फलों के दाम भी बढ़ते ही जा रहे हैं। महंगाई को बढ़ने से रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों को भी कदम उठाने चाहिए। यह एक सामूहिक दायित्व है।

- पवन खेड़ा, महासमुंद

करंट अफेयर

दक्षिणी लेबनान के ग्रामीण घर लौटने की तैयारी में

इजराइली सेनाएं मंगलवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती गांवों से वापस लौट गईं। यह वापसी अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते में तय समय सीमा के अंतर्गत हुई, जिसके साथ ही इजरायल-हिजबुल्लाह के बीच नवीनतम युद्ध समाप्त हो गया। लेबनानी सैनिक उन इलाकों में पहुंच गए हैं जहां से इजरायली सैनिक वापस चले गए थे और उन्होंने इजराइली सेना द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाना शुरू कर दिया है। साथ ही वे बिना विस्फोटकों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने गांवों की ओर जाने वाली मुख्य सड़क को बंद कर दिया ताकि किसी को भी अंदर जाने से रोका जा सके। ऐसा सेना द्वारा वहां मौजूद विस्फोटकों की तलाश कर उन्हें नष्ट करने के मद्देनजर किया गया है। गांव के अधिकांश लोग अपने घरों की जांच करने के लिए सड़क के किनारे अनुमति का इंतजार कर रहे थे, लेकिन कुछ लोग सड़क के अवरोधकों को हटाकर अंदर चले गए। हालांकि, इजरायली सैनिक लेबनान के अंदर पांच रणनीतिक निगरानी बिंदुओं पर बने हुए हैं। यह लेबनानी अधिकारियों और उग्रवादी गुट हिजबुल्लाह समूह के लिए एक गंभीर मुद्दा है, जिन्होंने कहा है कि इजरायल को मंगलवार तक पूरी तरह से वापस लौटना होगा।

ऑफ बीट

पृथ्वी से बाहर खनन की होड़ ने पकड़ा जोर

जैसे-जैसे अंतरिक्ष अन्वेषण और उपनिवेशीकरण का विस्तार होगा, पृथ्वी से बाहर के संसाधन तेजी से बढ़ता एक बाजार बनाएंगे। अंतरिक्ष में गहराई से खोज करने और अन्य ग्रहों पर उपनिवेश स्थापित करने का अभियान पिछले दशक में तेज हो गया है। विषम वातावरण में भी मूल्यवान संसाधन और खनिज प्राप्त करना लंबे समय से मनुष्यों के लिए आकर्षक रहा है। बहुमूल्य संसाधनों की तलाश में खतरों का सामना करने का हमारा इतिहास रहा है। 1800 के दशक में सोने की दौड़ से लेकर अंतरिक्ष संसाधनों में हालिया उछाल तक, मनुष्य दुर्लभ और लाभदायक सामग्रियों को खोजने और इकट्ठा करने के लिए जोखिम उठाने को तैयार रहा है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, हम सोने की अगली दौड़ के मुहाने पर हैं - लेकिन पृथ्वी पर नहीं। हाल की वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग सफलताओं और व्यावसायिक हितों के आधार पर, अगले दशक में पृथ्वी से बाहर खनन शुरू होने की उम्मीद है। संभावित खनन स्थलों में चंद्रमा, मंगल, क्षुद्रग्रह और यहां तक कि धूमकेतु भी शामिल हैं। अनुमान है कि 2050 तक चंद्रमा पर खनन, विशेष रूप से चंद्रमा पर मौजूद जल का बाजार अरबों डॉलर तक का हो सकता है।

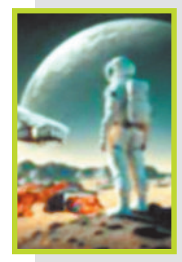

ट्रेंड

विवादित बातों का निषेध

छत्रपति संभाजी महाराज इनको लेकर विकिपीडिया पर लिखी गई विवादित बातों का हम निषेध करते हैं, राज्य सरकार ने आईजी साइबर को विकिपीडिया से बात कर विवादित बातों को हटाकर सही जानकारी प्रेषित करने का आदेश दिया है।

-देवेन्द्र फड़नवीस, सीएम, महाराष्ट्र

मतदाताओं की चिंता

भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर, मोदी सरकार ने हमारी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर करोड़ों मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है। नई सीईसी का चयन करने के लिए आधी रात को निर्णय लेना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए अपमानजनक और असभ्य दोनों है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

शहीदों का महत्व

ये बेहद निंदनीय और अशोभनीय है कि देश के लिए शहीद होने से अधिक महत्व किसी और को दिया जा रहा है। जिन्होंने न आज़ादी दिलाने में कोई भूमिका निभाई, न ही आज़ादी बचाने में वो शहीदों का महत्व क्या जानें।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

मल्टीटास्किंग मजेदार

मैं हमेशा अच्छी चीजें करने वाले अच्छे लोगों के साथ मिलती हूं... जब आप हंसते हैं, काम करते हैं और बुनाई करते हैं तो मल्टीटास्किंग मजेदार होती है!

-काजोल, अभिनेत्री

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जनवरी में निर्यात 2.38% घटकर 36.43 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश के निर्यात में लगातार तीसरे महीने गिरावट आई और यह जनवरी महीने में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब डॉलर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं की वजह से निर्यात घटा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर आयात 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 22.99 अरब डॉलर हो गया।

पटेल इंजीनियरिंग को मिली सिंचाई परियोजना

नई दिल्ली। पटेल इंजीनियरिंग ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने संयुक्त उद्यम (जेवी) भागीदार के साथ मिलकर महाराष्ट्र में 1,090 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजना हासिल की है। महाराष्ट्र कृष्णा घाटी विकास निगम, पुणे ने पटेल इंजीनियरिंग को उसके संयुक्त उद्यम भागीदार के साथ नीरा देवघर राइट बैंक मुख्य नहर (87 किलोमीटर से 135 किलोमीटर तक) और इसकी वितरिकाओं के लिए पाइपलाइन वितरण नेटवर्क के निर्माण से जुड़े अनुबंध के लिए सबसे कम बोली लगाने वाला (एल-1) घोषित किया है।

कर्नाटक बैंक ने संदिग्ध यूपीआई लेनदेन लौटाया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कर्नाटक बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए 18.87 करोड़ रुपये के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के संदिग्ध सीमापार लेनदेन को वापस कर दिया है। यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि इन लेनदेन को संसाधित नहीं किया जा सका। यह बात बैंक द्वारा भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ किए खामियों को दुरुस्त करने के अभ्यास के दौरान सामने आई।

सोने का आयात जनवरी में बढ़कर 2.68 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश में सोने का आयात जनवरी में 40.79 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर रहा है। मुख्य रूप से घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले जनवरी, 2024 में सोने का आयात 1.9 अरब डॉलर था। संचयी रूप से चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान सोने का आयात 32 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर रहा।

मदकू द्वीप छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा चिन्हित पर्यटन स्थलों की सूची में नहीं

पर्यटन विभाग के सचिव ने हाईकोर्ट में पेश किया जवाब

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने मदकू दीप में पर्यटन सुविधाओं की कमी को लेकर स्व संज्ञान मामले में सुनवाई करते हुए जिला कलेक्टर मुंगेली को शपथपत्र नहीं देने पर स्पष्टीकरण मांगते हुए सुनवाई आगे बढ़ा दी है। इससे पूर्व हाईकोर्ट ने सचिव, पर्यटन संस्कृति, छत्तीसगढ़ सरकार को छत्तीसगढ़ राज्य के पर्यटन स्थलों को आवंटित धनराशि के संबंध में अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। कलेक्टर, मुंगेली को भी इस मुद्दे के संबंध में अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। मामले में छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग के सचिव ने अपने जवाब में कहा है कि मदकू द्वीप छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा संधारित चिन्हित पर्यटन स्थलों की सूची में नहीं है।

मामले में सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग ने 27 जनवरी 2025 को अपना व्यक्तिगत शपथ पत्र प्रस्तुत कर कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड का गठन राज्य शासन द्वारा किया गया है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित पर्यटन स्थलों के विकास के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। वर्तमान में कुल 140 पर्यटन स्थल चिन्हित हैं। इस याचिका में शामिल मुद्दे के संबंध में शपथ पत्र में कहा गया है कि मदकू द्वीप छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा संधारित चिन्हित पर्यटन स्थलों की सूची में नहीं है।

विकास के लिए केन्द्र को भेजा जाएगा प्रस्ताव

जवाब में सचिव की ओर से कहा गया उक्त स्थल पर काफी लोग आते हैं तथा पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं एवं सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर, मुंगेली से 21 जुलाई 2022 को भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि श्री हरिहर क्षेत्र मदकू द्वीप के विकास को 'प्रसाद योजना' के अंतर्गत शामिल करने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जा सके। इस प्रकरण में जिला कलेक्टर मुंगेली से भी हलफनामा माँगा गया था। मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई के दौरान बताया गया कि अभी कलेक्टर मुंगेली का शपथपत्र नहीं आ सका है। इस पर कोर्ट ने कलेक्टर से हलफनामा नहीं देने पर स्पष्टीकरण माँगा और यह सुनवाई आगे बढ़ा दी है।

राष्ट्रीय महत्व एवं पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित होगा

पूर्व में हुई सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि इसे राष्ट्रीय महत्व एवं पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। उक्त उद्देश्य के लिए केन्द्र सरकार की 'स्वदेश दर्शन' नामक योजना से प्रेरणा लेते हुए एक योजना तैयार की जा रही है। क्षेत्र के विकास के लिए जिला कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों की अध्यक्षता में 'डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कमेटी' गठित करने का प्रस्ताव है।

मेडिकल पीजी एडमिशन में गड़बड़ी, हाईकोर्ट ने काउंसलिंग पर लगाई रोक

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पीजी एडमिशन में गड़बड़ियों को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने एडमिशन के लिए होने वाली काउंसलिंग पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि यह आदेश केवल व्यक्तियों पर ही लागू नहीं होगा, बल्कि समान परिस्थितियों वाले सभी सभी छात्रों पर लागू होगा। साथ ही महाधिवक्ता को निर्देश दिया गया है कि वे संबंधित अधिकारियों को इस आदेश की जानकारी दें। अब मामले की सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

दरअसल, एडमिशन की प्रक्रिया में 3 साल की सेवा पूरी करने के नियमों को दरकिनार कर दिया गया है, जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में डा. यशवंत राव और डा. पी राजशेखर ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि मेडिकल पीजी में प्रवेश के लिए होने वाली काउंसिलिंग के दौरान अपात्र उम्मीदवारों को गलत तरीके से सेवारत श्रेणी का लाभ दिया गया। अधिकारियों ने सेवा अवधि की गणना कटऑफ तारीख से आगे बढ़ा दी है, जिससे अयोग्य उम्मीदवारों को भी पात्र मान लिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने गड़बड़ी की शिकायत विभाग के अफसरों से की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिम्मेदार अधिकारियों ने एक निजी उम्मीदवार को सेवारत श्रेणी में प्रमाणित किया है।

योग्य और अनुभवी चिकित्सक होंगे वंचित

याचिका में बताया गया कि जांच में पता चला कि सेवा अवधि की गणना 31 जनवरी 2024 के बाद तक बढ़ा दी गई। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि अगर कटऑफ तारीख का पालन किया जाता, तो वह उम्मीदवार पात्र नहीं होता। याचिका में कहा गया है कि इस तरह की गड़बड़ियों से योग्य और अनुभवी चिकित्सक पीजी में एडमिशन से वंचित हो गए हैं। मामले की सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत ने भी माना कि शिकायत सही लग रही है। हाईकोर्ट ने पाया कि निजी उम्मीदवार को कटऑफ तारीख के बाद सीट आवंटित की गई। सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने काउंसिलिंग पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

जेल में बंद उद्योगपति श्रवण गोयल ने हाईकोर्ट से मांगी जमानत

बिलासपुर। सीजीपीएससी 2021 में भर्ती प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा के आरोप में सीबीआई ने उद्योगपति श्रवण गोयल को मामले में संलिप्तता का आरोप लगाते हुए गिरफ्तार किया है। उद्योगपति गोयल जेल में बंद है। गोयल ने स्वास्थ्यगत कारणों का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत की मांग की है। इस पर कोर्ट ने सीबीआई से दो सप्ताह में जवाब मांगा है।जेल में बंद श्रवण गोयल ने अपने अधिवक्ता अंकित सिंघल के जरिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर जमानत की मांग की है। उद्योगपति गोयल की जमानत याचिका पर जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। सीबीआई की ओर से सीनियर एडवोकेट बी. गोपाकुमार कोर्ट में पेश हुए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता की तबियत ठीक नहीं है। सीबीआई ने मामले में जवाब पेश करने के लिए समय की मांग की। कोर्ट ने जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। ध्यान रहे कि सीजीपीएससी 2021 की भर्ती में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा का आरोप लगाते हुए पूर्व मंत्री व भाजपा नेता ननकीराम कंवर ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जनहित याचिका दायर की थी। दायर याचिका में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के नेताओं व अफसरों के बेटे, बेटियों व रिश्तेदारों को गलत तरीके से सलेक्ट करने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने व सूची को निरस्त करने की मांग की थी। इसी सूची में उद्योगपति श्रवण गोयल की बेटी व दामाद का नाम भी शामिल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य शासन ने गड़बड़ी की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंप दिया है।

पति का अत्यधिक शराब पीना परिवार के साथ क्रूरता, तलाक मंजूर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पति के अत्यधिक शराब पीने की आदत को परिवार के साथ क्रूरता माना है। इसके साथ कोर्ट ने विवाह भंग करते हुए तलाक की याचिका को मंजूर कर दिया है। जांजगीर चाम्पा जिला निवासी महिला की 7 जून 1991 को शादी हुई थी। शादी के समय वह पढ़ाई कर रही थी और वह शादी के बाद भी पढ़ाई जारी रखना चाहती थी। पति एवं उसके परिवार के लोग विरोध कर गाली गलौज करते रहे। शादी के बाद तीन संतान का जन्म हुआ। बच्चों के जन्म के बाद भी पति के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। शादी के 29 वर्ष तक पत्नी ने परिवार को बचाने का हरसंभव प्रयास किया, लेकिन कोई सुधार नहीं होने पर पत्नी बच्चों को लेकर पति से अलग रहने लगी। जांजगीर परिवार न्यायालय में तलाक के लिए आवेदन दिया। परिवार न्यायालय से आवेदन खारिज होने पर पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील पेश की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने परिवार न्यायालय के आदेश को निरस्त करते हुए दोनों पक्षों के बीच 7.6.1991 को विवाह हुए को भंग करते हुए तलाक की मंजूरी दे दी है।

देश में पहली 11 एयरबैग्स वाली कार लांच, शुरुआती कीमत 49 लाख से शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीवाईडी सीलियन 7 एसयूवी भारत में चीनी वाहन निर्माता की लेटेस्ट इलेक्ट्रिक पेशकश है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को दो वेरिएंट्स-प्रीमियम और परफॉर्मेंस-में पेश किया जा रहा है, जिनकी कीमत क्रमशः 48.90 लाख रुपए और 54.90 लाख रुपए है। ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं। देशभर में ईवी की डिलीवरी 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। लांच इवेंट में, कार निर्माता ने खुलासा किया कि उसे अब तक सीलियन 7 के लिए 1,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। ऑफिशियल बुकिंग जनवरी में 2025 भारत मोबिलिटी शो में इस कार के डेब्यू के साथ शुरू हुई, जिसकी बुकिंग राशि 70,000 रुपए थी। कंपनी ने एक खास अर्ली बर्ड ऑफर की भी घोषणा की थी।

- बीवाईडी सीलियन 7 एसयूवी भारत में लांच की गई
- कार की कीमत 48 .90 से 54 .90 लाख के बीच
- अब तक मिल चुकी 1000 से अधिक बुकिंग

इंटीरियर

नई बीवाईडी इलेक्ट्रिक एसयूवी में 15.6 इंच रोटेटेबल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ स्पोर्टी ऑल-ब्लैक केबिन थीम है। नप्पा लेदर अपहोल्स्ट्री, 4-वे लंबर सपोर्ट के साथ 8-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, 6-वे पावर एडजस्टेबल पैसेंजर सीट, वेंटिलेटेड सीट्स, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एक पैनोरमिक ग्लास रूफ और 12-स्पीकर ऑडियो सिस्टम इसके प्रीमियम एक्सपीरिएंस और अपील को और अधिक बढ़ाते हैं।

सेफ्टी फीचर्स

बीवाईडी सिलयन भारत की पहली कार है जिसमें 11 एयरबैग दिए गए हैं। ईवी लेवल 2 एडास सुइट के साथ आता है, जिसमें स्वचालित आपातकालीन ब्रेकिंग, लेन कीप असिस्ट, एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल और बहुत कुछ जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। सुरक्षा किट में 360 डिग्री कैमरा, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, हिल होल्ड कंट्रोल, फ्रंट पैसेंजर और रियर सीटों में आइसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट और अन्य उन्नत सुविधाएं शामिल हैं।

बैटरी, रेंज

बीवाईडी के नए ई-प्लेटफ़ॉर्म 3.0 पर आधारित, सीलियन 7 82.5केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आता है। सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर और आरडब्ल्यूडी सेटअप वाला प्रीमियम वेरिएंट अधिकतम 308बीएचपी की पावर और 380एनएम का टॉर्क देता है। यह 567 किमी की दावा की गई रेंज का वादा करता है। परफॉर्मेंस ट्रिम में प्रत्येक एक्सल पर एक मोटर और एडब्ल्यूडी (ऑल-व्हील ड्राइव) सिस्टम है। यह वेरिएंट 523बीएचपी की अधिकतम पावर और 690 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। सीलियन 7 परफॉर्मेंस वेरिएंट एक बार चार्ज करने पर 542 किमी की दावा की गई रेंज देता है। यह महज 4.5 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है।

अदाणी फाउंडेशन खोलेगा 20 शहरों में स्कूल

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अदाणी फाउंडेशन ने भारत में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत, फाउंडेशन ने जेम्स एजुकेशन के साथ साझेदारी की है, जो निजी के-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी मानी जाती है। इस साझेदारी के माध्यम से अदाणी परिवार ने 2,000 करोड़ रुपये का प्रारंभिक दान दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ और किफायती बनाना है। अदानी फाउंडेशन, जो अदाणी समूह की सीएसआर शाखा है, इसके माध्यम से भारत में शिक्षा के मंदिर स्थापित किए जाएंगे, जहां शिक्षा को नवाचार, क्षमता विकास और सामाजिक दायित्व के सिद्धांतों पर आधारित किया जाएगा। इसके तहत पहला 'अदाणी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' 2025-26 में लखनऊ में खोला जाएगा। इसके बाद अगले तीन वर्षों में भारत के प्रमुख महानगरीय शहरों में 20 से अधिक ऐसे स्कूल खोले जाएंगे। इन स्कूलों में वंचित बच्चों के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम में 30% सीटें निशुल्क होंगी।

एफआईआई की बिकवाली से शेयर बाजार फिर फिसला

- सेंसेक्स 29 अंक नुकसान में
- निफ्टी में 14 अंक की गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने और कंपनियों की आय में नरमी से स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। बीएसई सेंसेक्स 29 अंक के नुकसान में रहा, जबकि निफ्टी में 14.20 की गिरावट आई। स्टॉक्स बॉक्स के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक अमेया रणदिवे ने मंगलवार को कहा, ''सेंसेक्स और निफ्टी-50 हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। इसका कारण कंपनियों की आय में नरमी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली है, जिससे बाजार धारणा प्रभावित हुई।'' सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनीलिवर, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, जोमैटो, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक शामिल हैं।

छोटे शेयरों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप 1.71 प्रतिशत नुकसान में रहा जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप 0.19 प्रतिशत नीचे आया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,918 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,032 शेयर लाभ में रहे।

घरेलू बाजार में मुनाफावसूली

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''एफआईआई की बिकवाली और रुपये पर दबाव के बीच घरेलू बाजार में मुनाफावसूली के साथ हाल की बिकवाली के बाद निचले स्तर पर आये शेयरों में लिवाली, दोनों देखने को मिली। अधिक मूल्यांकन के कारण छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में गिरावट जारी रही।''

18- FEB- COR- MAIN- Pg- 6 CHOUPAL_Layout 1 2/18/2025 8:22 PM Page 1

लोक साहित्य

कमलेश यादव

दक्षिण दिशा के लिए प्रयुक्त शब्द रक्सहूं

छत्तीसगढ़ में दक्षिण दिशा के लिए रक्सहूं शब्द का प्रचलन है। छत्तीसगढ़ी में राक्षस को रक्सा कहा जाता है। दक्षिण दिशा के लिए अन्य कोई शब्द नहीं है। दक्षिण दिशा के लिए रक्सहूं शब्द भगवान श्रीराम के समय से ही प्रचलित है ऐसा माना जाता है। उस समय छत्तीसगढ़ के दक्षिण भू भाग पर राक्षसों ने कब्जा कर रखा था। उनके आतंक की छाप लोक स्मृति में इतनी गहरी थी कि दक्षिण दिशा के लिए रक्सहूं शब्द रूढ़ हो गया। लोक स्मृतियों के पीछे इतिहास का कोई न कोई तथ्य, किसी न किसी अंश में छिपा रहता है। यह उसका उत्कृष्ट उदाहरण है। प. लोचन प्रसाद पाण्डेय ने लिखा है - पुरातत्व के साथ साहित्य तथा लोकवार्ता का भी उपयोग साहित्य लेखन में किया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ के देवारों की लोक गाथाओं में रतनपुर नरेश कल्याण साय के मुगल दरबार में जाने का विवरण मिलता है। इस तथ्य का उल्लेख किसी ऐतिहासिक ग्रंथ में नहीं मिलता है, किन्तु बाद में तुजके जहांगीर में इस तथ्य की पुष्टि हुई तो देवारों की लोक गाथा में इस प्रमाण को स्वीकार किया गया।

ऐतिहासिक

डा. सुनीत रमेंद्र मिश्र

बड़ काम अइस तिलक स्वराज कोश

तिलक स्वराज के नाम से रुपया पैसा जमा करे बर महात्मा गांधी जी रायपुर आए रिहिन। वइसे हमर रायपुर अऊ छत्तीसगढ़ में सबले पहिली गांधी जी ह 1920 के बछर दिसंबर महीना में अइस अउ कंडेल नहर के जउन आंदोलन होय रिहिस तेकर नाव ले सुंदर लाल शर्मा उनला ले बर कलकत्ता गे रिहिन अउ संग म लइन। उनकर आय के पहली अंग्रेज मन कंडेल सत्याग्रह ल बंद करे बर किसान मन उपर जेन पानी चोराय के आरोप लगाए रिहिन संगे संग डाड़ बोड़ी ले रिहिन ओला लहूटा दिन। तब ले गांधी जी 21 दिसम्बर के कंडेल आय रिहिस। गांधी जी के आय ले छत्तीसगढ़ के मनखे मन में आजादी के लड़ई में भाग ले के रद्दा मिलिस। आनंद समाज वाचनालय के बाजू में वोमन सभा करिन। जीहां अभरे मनखे मन तिलक स्वराज कोश के नाव ले रुपिया पइसा, सोना चांदी के पहिरे गहना ल उतार के गांधी जी ल दे दिन। ऐसने उत्साह देखे बर मिलिस।

सुरता

बन्धु राजेश्वर खरे

साहित्यिक गतिविधियों में क्रियाशील थे विठ्ठल

छत्तीसगढ़ के साहित्य संसार में गोविन्द राव उपाध्याय जी को गोविन्द राव विठ्ठल नाम से जाना जाता था। विद्यालयीन शिक्षा के बाद आपकी नियुक्ति पटेवा शाला नवापारा राजिम में प्रधान अध्यापक के पद पर हुई थी। इसके बाद गरियाबंद जिले में अध्यापन कार्य करते यहीं के निवासी हो गए। गिरि कंदराओं से घिरा गरियाबंद आदिवासी अंचल में रह कर शिक्षा और साहित्य के लिए आपने अपने जीवन को समर्पित कर दिए।आप पंडित सुंदर लाल शर्मा जी के संपर्क और प्रेरणा से नागलीला ग्रन्थ की रचना की। 1924 से 32 के बीच आपकी दो कृतियां प्रकाशित हुई। आपकी तीन प्रकाशित कृतियां उपलब्ध हैं। कई नाटकों का लेखन और सफल मंचन भी आपके द्वारा हुए। आपके मार्गदर्शन में कई कुशल साहित्यकार अपनी लेखन से इस अंचल में अपनी पहचान बनाए। आपकी लेखनी का प्रभाव अंग्रेजों पर भी पड़ा। माधव राव सप्रे, लोचन प्रसाद पाण्डेय और मैथिलीशरण गुप्त जी से भी आपका आत्मिक संपर्क रहा। आपने कई बंगला भाषा के साहित्य का हिन्दी में अनुवाद भी किया। साहित्य सेवा में लीन रहते नवम्बर 1966 को आप बैकुंठवासी हो गए।

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में माई भंगाराम के प्रभाव क्षेत्र को नौ परगना में बांटा गया है। प्रत्येक परगने का एक मांझी मुखिया होता है, यह मुखिया अपने क्षेत्र के जातरा हेतु चंदा वसूलता है, जातरा आदि धार्मिक कार्यों की सूचना देता है और बैठकों में भाग लेता है। देवी देवता संबंधी छुटपुट विवादों को परगना में ही निपटाया जाता है। मांझी या मुखिया वंश परम्परा के अनुसार नियुक्त किए जाते हैं।

बस्तर अंचल में माई भंगाराम की पूजा अर्चना

धार्मिक : घनश्याम सिंह नाग

1. गढ़ सिलयारा

यह गढ़ सिलयारा केशकाल नगर पंचायत के अंतर्गत आश्रित ग्राम है। इस परगना के अंतर्गत ग्रामों की संख्या 480 है। यहां अनेक पुरावशेष हैं। केशकाल घाटी भी गढ़ सिलयारा राजस्व ग्राम के अंतर्गत आता है। अब इसे केशकाल परगना भी कहते हैं। इस परगना के मुखिया ग्राम गढ़ धनोरा में निवास करते हैं।

2. अड़ेंगा

यह एक ऐतिहासिक महत्व का ग्राम है जहां नलयुगीन स्वर्ण मुद्राएं मिली हैं। इस परगना में कुल 18 गांव हैं।

3. विश्रामपुरी

यह ग्राम विकास खंड बड़े राजपुर का मुख्यालय है। इस परगना में कुल 29 राजस्व ग्राम हैं।

4. कोपरा

विकास खंड बड़े राजपुर के अंतर्गत कोपरा परगना में 12 ग्राम आते हैं।

5. कोनगुड़

विकास खंड फ़रसगांव के अति दुर्गम क्षेत्र में यह परगना है जहां विकास खंड अंतागढ़ के कुछ ग्राम आते हैं। इस परगना में 50 गांव हैं, इसे झोड़ियान परगना के नाम से भी जाना जाता है।

6. आंवरी

केशकाल विकास खंड के अंतर्गत आंवरी परगना में 20 गांव आते हैं।

7. कोंगेरा

यह गांव वर्तमान कांकेर जिला अंतर्गत है जिसमें 18 गांव आते हैं, जो केशकाल घाटी के नीचे बसे हुए हैं।

8. सोनबाल

कोंडागांव विकास खंड के अंतर्गत सोनबाल परगना में 30 गांव आते हैं अधिक दूरी में निवास होने के कारण निकट के ग्राम पिपरा को परगना मान लिया गया है।

9. आलोर

विकास खंड फ़रसगांव का यह छोटा सा परगना है। इस परगना में मात्र 5 गांव आते हैं।

पर्यटन : डा. सुधीर पाठक

प्राकृतिक रमणीय स्थलों में भेड़िया पत्थर जलप्रपात

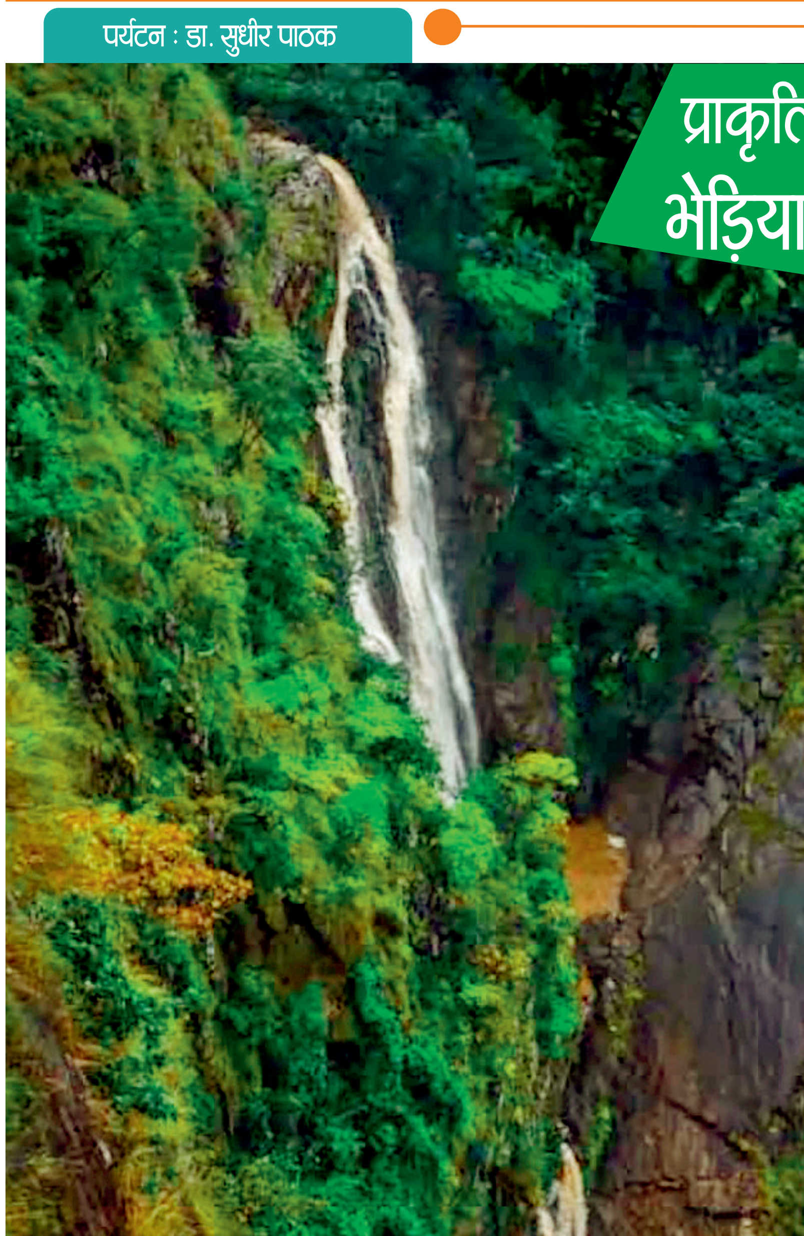

छत्तीसगढ़ के सरगुजा अंचल में कुसमी चांदो मार्ग से 30 कि मी की दूरी पर ईदरी ग्राम से तीन कि मी दूर पश्चिम में भेड़िया पत्थर जलप्रपात है। यहां पर भेड़िया नाला का जल दो पर्वतों के बीच सघन वन के बीच प्रवाहित होता है। यही प्रवाह ग्राम ईदरी के पास हजारों फीट की ऊंचाई से नीचे गिरता है। यह पानी का नीचे गिरता दृश्य पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करता है। ऊपर की दोनों पर्वत श्रृंखलाएं संयुक्त हैं जिससे एक स्वाभाविक पुल का रूप बन जाता है। इस स्थान पर एक प्राकृतिक गुफा भी है जहां पहले भेड़िया रहा करते थे। यही कारण है कि इस स्थान को भेड़िया पत्थर कहा जाता है।

जलप्रपात के दक्षिण दिशा में करीब तीन कि मी की दूरी पर मगाजी पर्वत की चोटी है। इस तरह का नैसर्गिक सौंदर्य बहुत कम देखने को मिलते हैं। इस चोटी पर वनवासियों का बघचंडी देव स्थापित हैं, जहां वनवासी वर्ष में एक बार चंडी देवता की पूजा अर्चना धूमधाम से करते हैं।

लोक संगीत

डा. अर्चना पाठक

अंचल में पखावज और तबला वादन की शुरुआत

छत्तीसगढ़ अंचल में रायगढ़ दरबार में पखावज और तबला वादन की भी दीर्घ परम्परा रही है। राजा घनश्याम सिंह, राजा भूपदेव सिंह के पिता स्वयं एक अच्छे पखावजी थे। उनके पुत्र लाल नारायण सिंह और पील लाल सिंह को तबले की शिक्षा के लिए बनारस भेजा गया था। राजा भूपदेव सिंह के दरबार में ठाकुर लक्ष्मण सिंह जैसे श्रेष्ठ पखावजी थे। रायगढ़ दरबार में मृदंग और तबला के श्रेष्ठ वादकों का लगातार आवागमन एक सदी पूर्व से होता आ रहा है। यह कला प्रेम और आकर्षण निरन्तर बढ़ता गया और राजा साहब के शासन काल में उसका उत्कर्ष चरम पर था। राजा चक्रधर सिंह के दरबार में ठाकुर दास जी, शंभू महाराज, पंडित रामदास, बासुदेव पखावजी, कादिर बख्श खां, उस्ताद नत्थू खां, और बाबा मलंग खां आदि उस्ताद लंबे समय तक रहे। इन उस्तादों की शिष्यों की पहली टोली में धूरमिन दास, अनुज राम, सुखा राम और मुकुत राम को सर्वप्रथम तबले की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया गया।

गांव की कहानी

डा. पीसी लाल यादव

कई महत्व को संजोया गांव बागुर

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-गंडई -छुईखदान जिला अंतर्गत गंडई से 5 कि मी दूर पूर्व में बागुर गांव स्थित है। वर्तमान में यह समृद्ध गांव है। यहां ज्यादातर किसानों की आबादी है। यहां कई स्थानों पर पुरातात्विक महत्व के पाषाण शिल्प बिखरे पड़े हैं। इनमें सर्वाधिक महत्व का एक विशाल शिवलिंग है, जो शाला भवन निर्माण के दौरान नींव की खुदाई में मिला है। इसी स्थान पर सोमवंशीकालीन बड़े आकार की ईंटें भी मौजूद हैं। इससे यह आभास होता है कि यहां विशाल शिव मंदिर रहा होगा। इस स्थान के पूर्व में इमली पेड़ के नीचे प्रस्तर की कई खंडित मूर्तियां और ईंटें पड़ी हैं। प्राचीन मंदिर की दीवारें स्पष्ट दिखाई पड़ती हैं। यहीं मंदिर की द्वार शाखा की पुष्प वल्लरि से युक्त शिलाएं भी मौजूद हैं, जो यहां प्राचीन काल में मंदिर होने की संभावना को बल देती है। इसी तरह यहीं पर दो योद्धाओं की प्रस्तर प्रतिमाएं हैं। इस गांव से सुरही नदी के किनारे एक टीला है जहां पर भी पुरातात्विक महत्व की मूर्तियां हैं, जिनमें काले पत्थर पर उत्कीर्ण गणेश की प्रतिमा प्रमुख हैं।

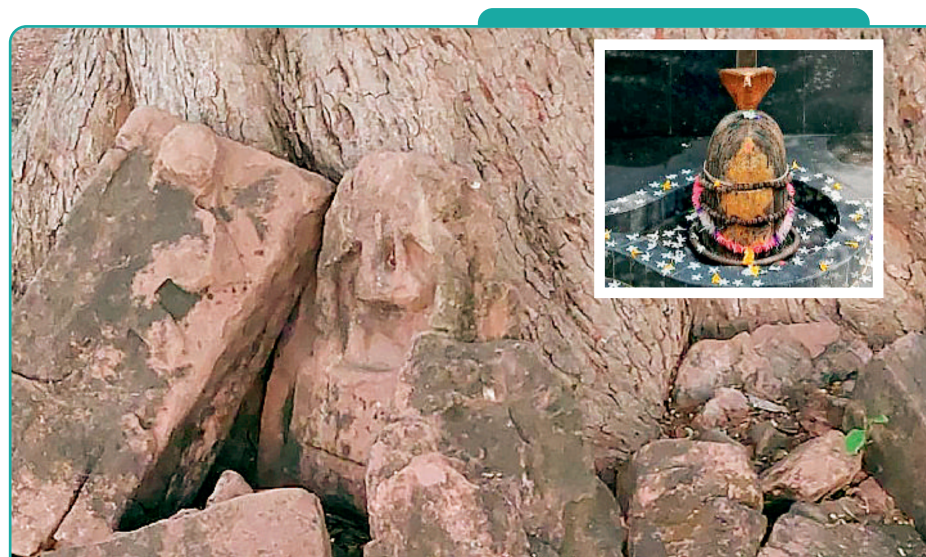

मप्र तेजी से आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश के केंद्र में बदल रहा है, जो वैश्विक व्यापार जरूरतों को पूरा करता है

मध्यप्रदेश भारत की प्रौद्योगिकी क्रांति में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक संपन्न प्रतिभा पूल और दूरदर्शी नीतियों का एक आदर्श मिश्रण है। राज्य तेजी से आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश के केंद्र में बदल रहा है, जो वैश्विक व्यापार आवश्यकताओं को पूरा करता है। आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023के साथ मध्यप्रदेश मजबूत प्रोत्साहन, सुव्यवस्थित अनुमोदन और नवाचार के लिए एक इकोसिस्टम प्रदान करके वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है।

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे टियर-2 शहरों का तकनीकी केंद्र के रूप में उदय राज्य की सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। आईटी पार्कों, एसईजेड और एक बढ़ते स्टार्टअप इंफ्रास्ट्रक्चर की अपनी मजबूत नींव के चलते राज्य वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी), सेमीकंडक्टर, एवीजीसी-एक्सआर और ड्रोन जैसे उभरते क्षेत्रों में भी निवेश कर रहा है। बदलते वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में मध्यप्रदेश नए दृष्टिकोण से तकनीकी-संचालित उद्योगों और निवेशों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

इन विशेषताओं ने दुनिया को आकर्षित किया

- 5 आईटी एसईजेड और 15 से अधिक आईटी पार्क प्रदेश में एक मजबूत प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा तैयार करते हैं।
- राज्य में 50 से अधिकबड़ी आईटी कंपनियां संचालित हैं, जो एक मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान करती हैं।
- प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 15 लाख से अधिकप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हैं।
- राज्य से लगभग 1200 से अधिकतकनीकी स्टार्टअप और 2 यूनिकॉर्न उभरे हैं।
- राज्य भर में 300 से अधिककॉलेज तकनीकी शिक्षा प्रदान करते हैं।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा धारकों सहित सालाना 50 हजार से अधिक तकनीकी स्नातक।
- डेटा केंद्रों और आईटी क्षेत्र के लिए 24/7 विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और कच्चे माल की उपलब्धता।
- कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का 27% नवीकरणीय स्रोतों से आता हैउद्योगों के लिए खुली पहुंच की अनुमति है।

राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी मध्यप्रदेश

- मध्यप्रदेश का जीएसडीपी भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 5% का योगदान करता है।
- उभरते आईटी/ ईएसडीएम निर्यात का लक्ष्य भारत के 220 लाख करोड़ रुपए के मजबूत निर्यात बेंचमार्क को ध्यान में रखते हुए आगे वृद्धि करना है।
- मध्यप्रदेश में आईटी/आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्र 5 लाख करोड़ रुपए का योगदान करते हैं, जो भारत के 465 लाख करोड़ रुपए की तुलना में स्थिर वृद्धि दर्शाता है।

इसलिए मप्र हैं पसंदीदा राज्य

- व्यापार-समर्थक नीतियां:वैश्विक तकनीकी मांगों का समर्थन करने के लिए अनुकूलित प्रोत्साहन।
- भारत में टियर-2 शहरों का गतिशील तकनीकी केंद्रों के रूप में उदय, कार्य और नवाचार के भविष्य को नया स्वरूप देना - इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर।
- लागत प्रभावी संचालन, कार्य जीवन संतुलन, उच्च जीवन स्तर।
- स्टार्टअप विकास:नवाचार के लिए पर्याप्त अवसरों के साथ एक बेहतर इकोसिस्टम।

24 एवं 25 फरवरी को होगा समिट

24 एवं 25 फरवरी2025 को भोपाल में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान एमपी मोबिलिटी एक्सपो का आयोजन होगा। यह प्रमुख कार्यक्रम राज्य की ऑटोमोटिव क्षेत्र में हुई प्रगति को प्रदर्शित करेगा। नवाचार और स्थिरता पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथएक्सपो का उद्देश्य मध्यप्रदेश को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और भविष्य के परिवहन समाधानों के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना है। मध्यप्रदेश ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। राज्य 30 से अधिक मूल उपकरण निर्माताओं और अगली पीढ़ी की मोबिलिटी पर मजबूत जोर देने के साथ-साथटिकाऊ और नवाचार वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश वाणिज्यिक वाहनों और कृषि उपकरणों के निर्माण के क्षेत्र में एक शीर्ष राज्य है। प्रदेश की औद्योगिक सहायक नीतियों और अपने मजबूत औद्योगिक बुनियादी ढांचेने ऑटोमोटिव उद्योग के कई दिग्गजों को आकर्षित किया है।

कोयले से लेकर हीरे तक मध्यप्रदेश भारत के भूमिगत खजानों को अनलॉक करने में अग्रणी

मध्यप्रदेश का खनन एवं खनिज क्षेत्र: संभावनाओं और अवसरों की बड़ी खदान

भारत का हृदय मध्यप्रदेशखनिज संपदा और खनन क्षमता का एक पावर हाउस है। अद्वितीय खनिज भंडार और रणनीतिक नीति समर्थन के साथ राज्य खनन और खनिज आधारित उद्योगों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बन गया है। कोयले से लेकर हीरे तक मध्यप्रदेश भारत के भूमिगत खजानों को अनलॉक करने में अग्रणी है। राज्य में महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। यह भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य है, पन्ना रत्न-श्रेणी के हीरे के खनन के वैश्विक केंद्र के रूप में चमक रहा है। भारत के कोलबेड मीथेन (सीबीएम) भंडार के 36% के साथमध्यप्रदेश राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सतना, रीवा और सीधी जैसे जिलों में फैले चूना पत्थर के भंडारतेजी से बढ़ते सीमेंट उद्योग की पूर्ति करते हैं, जबकि बालाघाट भारत के 73% भंडार के साथ तांबे के उत्पादन में अग्रणी है। मैंगनीज अयस्क, बॉक्साइट और रॉक फॉस्फेट जैसे प्रमुख संसाधन राज्य की प्रोफ़ाइल को और बढ़ाते हैं, जबकि दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, ग्लूकोनाइट और टिन में संभावित खोज गतिविधियों का पता चलता है।बैतूल और सीधी जैसे जिलों में ग्रेफाइट की उपस्थिति इस्पात और ऑटोमोटिव क्षेत्रों की बढ़ती जरूरतों की पूर्ति करने की क्षमता बताती है।

औद्योगिक तालमेल

प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा ने खनिज आधारित उद्योगों के विकास को प्रेरित किया है। सीमेंट निर्माण संयंत्र, थर्मल पावर स्टेशन और फेरोलॉय इकाइयाँ राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्तमध्यप्रदेश का बुनियादी ढांचा एक विस्तृत सड़क नेटवर्क, कंटेनर डिपो और हवाई अड्डों के साथ खनन क्षेत्र के लिए सुचारू लॉजिस्टिक समर्थन सुनिश्चित करता है। सरकारी प्रोत्साहन इस क्षमता को बढ़ाते हैं। संयंत्र और मशीनरी निवेश के लिए 40% तक पूंजी सब्सिडी की पेशकश करने वाली नीतियांमेगा परियोजनाओं के लिए राजकोषीय लाभों के साथमध्यप्रदेश को निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाती हैं।

अवसर और नवाचार

जैसे-जैसे भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है, मध्यप्रदेश में खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। शाहडोल और सिंगरौली में कोयला भंडार थर्मल बिजली उत्पादन के लिए अपरिहार्य हैं।भले ही राज्य हरित विकल्पों की खोज कर रहा हो। इसके अतिरिक्तइलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांगमध्यप्रदेश को तांबा शोधन और संबद्ध उद्योगों के केंद्र के रूप में स्थापित करती है। राज्य खोज में अत्याधुनिक तकनीकों का भी लाभ उठा रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमईसीएल) जैसी एजेंसियां नए खनन ब्लॉकों की क्षमता को अनलॉक करने के सर्वेक्षण कर रही हैं।

एक उज्जवल भविष्य

मध्यप्रदेश की रणनीतिक स्थिति, कुशल कार्यबल और खनिज बहुतायत निवेशकों के लिए अवसर का एक अनूठा त्रिकोण बनाते हैं। मजबूत नीति समर्थन और बुनियादी ढांचे के साथराज्य भारत के खनन और खनिज क्षेत्र में अग्रणी बने रहने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश मेंप्राकृतिक संसाधन न केवल संसाधनों बल्कि विकास, नवाचार और स्थिरता की क्षमता रखते हैं। यह जीवंत खनन परिदृश्य वैश्विक निवेशकों को इसकी परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आकर्षित करता है। 25 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश सरकार का प्रमुख निवेश संवर्धन कार्यक्रम इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 खनन क्षेत्र पर एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। खनन शिखर सम्मेलन खनन और इससे संबंधित उद्योगों, तेल और गैस क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम है। राज्य के प्रचुर खनिज संसाधनों के उपयोग पर ध्यान देने के साथ-साथ शिखर सम्मेलन नियामक ढांचे और तकनीकी प्रगति पर चर्चा की सुविधा प्रदान करेगा। यह मंच सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और निवेशकों को इस क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक साथ लाएगा, जो मध्यप्रदेश को खनन और ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

खनिज संपदा से परिपूर्ण मध्यप्रदेश

- भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य
- तांबा अयस्क और मैंगनीज अयस्क का अग्रणी उत्पादक
- देश के शीर्ष खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल:
- रॉक फॉस्फेट (दूसरा)
- चूना पत्थर (तीसरा)
- कोयला (चौथा)

खनिज ब्लॉक नीलामी में उपलब्धियाँ

- पहला पुरस्कार: जनवरी 2024 में राज्य खनन मंत्रियों के सम्मेलन में सर्वाधिक ब्लॉक नीलामी के लिए सम्मानित।
- पहला पुरस्कार: जुलाई 2022 में भारत सरकार से प्रमुख और गौण खनिजों के लिए।
- दूसरा पुरस्कार: जुलाई 2022 में भारत सरकार से लौह अयस्क, चूना पत्थर और बॉक्साइट के लिए।
- 78 ब्लॉक: अब तक सफलतापूर्वक नीलाम, यह सभी राज्यों के बीच मध्यप्रदेश का एक रिकॉर्ड है।

D-16116/24

प्रथम पृष्ठ का शेष

कांग्रेस में रार...

इस्तीफा दे दिया है। भागवत साहू ने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में मुझे हराने के लिए पार्टी के नेताओं ने काम किया। मेरी स्थिति काफी मजबूत थी लेकिन पार्टी की ओर से उनको मदद नहीं की गई। विधायक ने कांग्रेस के बागी की मदद की जिसके चलते उनकी हार हुई। संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, पार्टी के डोंगरगांव से विधायक दलेश्वर साहू, डोंगरगढ़ से विधायक हर्षिता बघेल, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष नवाज खान सहित कई नेताओं ने उनको हराने का काम किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर ही उनके खिलाफ इस तरह की रणनीति तैयार की गई। पार्टी नियमों के खिलाफ जाकर उनको चुनाव हराने का काम कुछ लोगों ने किया। इस वजह से दुखी होकर वो आज पार्टी के पद से अपना इस्तीफा दे रहे हैं।

कुलदीप को पीसीसी...

प्रभारी सचिन पायलट और सह प्रभारी विजय जांगिड को इसकी जानकारी दे दी गई है। **कुलदीप ने बैज से मांगा था इस्तीफा-** पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने कहा, कांग्रेस के कार्यकर्ता दीपक बैज से खुश नहीं है। नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को नहीं, बल्कि मौजूदा संगठन को हार मिलने की बात कहते हुए कुलदीप जुनेजा ने कहा कि चार चुनाव हार के बाद भी यदि इस्तीफ़ा मांगा जाए तो शर्म की बात है। नैतिकता भी कोई चीज होती है, उनको नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस संगठन में बदलाव बहुत जरूरी है। कांग्रेस संगठन में बदलाव बहुत जल्द होना जरूरी है।

पंचायत चुनाव में...

अभनपुर में धनेंद्र के पुत्र की जीत -अभनपुर विधान सभा अन्तर्गत पंचायत चुनाव में 4 जिला पंचायत सदस्य मे से 3 कांग्रेस समर्पित सदस्य की जीत हुई है। जिसमें धनेन्द्र साहू, पूर्व विधायक के सुपुत्र यशवंत साहू, सहित दो कांग्रेस समर्पित सदस्य तथा जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत में अधिकतर जनपद सदस्य, सरपंच एवं पंच चुनकर आये है। बताया गया है कि क्षेत्र के दिग्गज भाजपा नेता चन्द्रशेखर साहू के भांजा टीकम साहू एवं अशोक बजाज,जिला सहकारी बैक के पूर्व अध्यक्ष के भाई प्रवीण बजाज के साथ साथ वर्तमान विधायक इन्द्रकुमार साहू के गृह ग्राम बेन्द्री में ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत में भी हार हुई है ।

पंचायत चुनाव के ....

बधाई दी। सीएम साय ने कहा कि जनता ने भाजपा की नीतियों, विकास कार्यों और पारदर्शी प्रशासन पर भरोसा जताया है। यह जीत जनता के आशीर्वाद और भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

जिला पंचायत सदस्यों...

प्रदेश की 33 जिला पंचायतों में से 14 जिला पंचायतों में तो कांग्रेस का एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया है। बस्तर के नारायणपुर जिला पंचायत के सभी 9 क्षेत्रों में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। इसी प्रकार भाजपा के कवर्धा के सभी 6, खैरागढ़ के सभी 5, कोण्डागांव के सभी 4, मुंगेली के सभी 4, सारंगढ़-बिलाईगढ़ के सभी 4 जिला पंचायत सदस्य चुने गए हैं। बलौदाबाजार के 6 में से 5, जांजगीर-चांपा के 6 में से 4, बलरामपुर के 6 में से 4, सक्ती के 4 में से 3, रायगढ़ के 6 में से 5 और बालोद के 5 में से 3 क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों ने शानदार जीत हासिल की है। इन सभी जिलों के साथ-साथ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही तथा कोरबा में कांग्रेस शून्य पर है और उसका एक भी उम्मीदवार नहीं जीता है। इनके अलावा शेष जिलों में भी कांग्रेस को इक्का-दुक्का सीटों पर ही जीत मिल सकी है।

साष्टांग दंडवत...

प्रत्याशी हैं। जब वो इस प्रकार से साष्टांग दंडवत होकर वोट मांग रहे थे, पुरूष-महिला मतदाता यहां तक कि बच्चे और बुजुर्ग भी उनके साथ समर्थन में वोट मांग रहे थे।

सात नर्सिंग कालेजों...

न्यायालयीन प्रकरणों की जिम्मेदारी भी उनकी होगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक नर्सिंग सहित अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग का आयोजन किया जाता है। इसमें सीटों के आवंटन के बाद स्क्रूटनी और प्रवेश की प्रक्रिया संबंधित संस्थानों में जाकर पूरी की जाती है।

लाखों श्रद्धालुओं से...

आरक्षित जमीन में सुव्यवस्थित मेला लगे ऐसा प्रयास किया गया है। नए मेला मैदान में अस्थाई भव्य सांस्कृतिक मंच बनाया गया है। दर्शकों के बैठने के लिए हजारों कुर्सियां लगाई गई हैं।

कई कारणों से...

रहा है। स्थानीय स्तर पर मेला क्षेत्र नवापारा शहर के नेहरू गार्डन के पास लगाया गया है। पंडित जवाहर लाल नेहरू पुल क्रास करने पर पंडित श्यामाचरण शुक्ल चौक में बेरिकेटिंग, रेस्ट हाऊस मार्ग में बेरिकेटिंग, व्हीआईपी मार्ग में बेरिकेटिंग, बस स्टेण्ड में बेरिकेटिंग, नए मेला मैदान में कई लेयर में बेरिकेटिंग, कार्यक्रम स्थल के गेट नं 1-2 में पुलिस का सख्त पहरा है। चौबेबांधा पुल के पहले और पुल के बाद बेरिकेटिंग यहां पर मेला जाने के मार्ग में बेरिकेटिंग।

जब बिना शादी ...

चीफ जस्टिस जी नरेंद्र और जस्टिस आलोक मेहरा की बेंच ने याचिका की सुनवाई करते हुए कहा, आप समाज में रह रहे हैं, न कि जंगल की किसी दूरस्थ गुफा में। पड़ोसियों से लेकर समाज तक, आपकी रिश्तेदारी है और आप बिना विवाह के साथ रह रहे हैं। फिर लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन आपकी गोपनीयता का उल्लंघन कैसे कर सकता है?

Raipur District Urban Public Service Sociaty
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (First Call)

NIT NO:2019 /RDUPSS/CITYBUS/2025 **RAIPUR DATED: 17.02.2025**

Online bids are invited for the following works of works up to **12.03.2025 at 17:30 hours**.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract	Class of Contractor registered in P.W.D. C.G.	Tender form	SOR Applicable
1	165035	Construction of Proposed E- Bus Depot/Terminal Complex at Jarway	1085.70 Lacs	"A"	Form "A&B"	PWD Building S.O.R. 01.01.2015 (upto date Amendment & NON SOR

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** in from 18.02.2025 17.30 **Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.,
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18002582502** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को दें

SECRETARY
Raipur District Urban Public Service Sociaty

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

डॉ.वाशानी दर-दाँत गम पेंट
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुन: लगा दें।
HMS शिव मस्सा नाशक

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-(1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की (2) रिसेप्शन सम्भालने हेतु स्मार्ट लड़के लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- 9329233000 **(1457)**

आवश्यकता है-फोर व्हीलर गाड़ी चलाने हेतु एक कुशल चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7354200022 **(36862)**

आवश्यकता है-स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु लड़के/लड़की की आवश्यकता है। इच्छुक दुकान आकर सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज, पेट्रोल पम्प के बाजू में नेहरू चौक, बिलासपुर 75872 59295 **(3167)**

आवश्यकता है-थोक दवा दुकान में आर्डर बुकिंग, पेमेंट कलेक्शन हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 7430000011 **(1459)**

आवश्यकता है-कार एवं बाइक ऑटो पाट्र्स दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। सेल्समैन और हेल्पर दोनों चाहिए। सम्पर्क करें- 78695 23344, 7301717175 **(36861)**

आवश्यकता है-मार्केटिंग में फोर व्हीलर छोटा हाथी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड लाइसेंस सहित सम्पर्क करें-अरोरा बेकरी, बृहस्पति बाजार के पास, बिलासपुर 9827164721 **(36860)**

आवश्यकता है-एकाउन्टेंट जिसे बीजी का ज्ञान हो एवं दुकान में काम हेतु कर्मचारी की जरूरत है सम्पर्क करें- अशोक मिल एण्ड हार्डवेयर दयालबंद बिलासपुर 98271 50871 **(36859)**

आवश्यकता है-केयर टेकर (देखरेख करने वाली) बच्चों एवं घर के काम हेतु आवश्यकता है रहना खाना फ्री एवं आकर्षक वेतन, सम्पर्क करें-केरा रोड जांजगीर 86000 12354 **(36858)**

आवश्यकता है-घरेलु कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है (समय सुबह 9 से शाम 6.30 तक) सम्पर्क करें-शिव मंदिर के पास विद्या नगर बिलासपुर 96859 01101, 7000953447 **(36832)**

आवश्यकता है-पेमेंट रिकवरी फील्ड वर्क, कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी सॉफ्टवेयर, GST एकाउन्टेंट कोटेशन के अनुभवी लड़के/ लड़की, रिकवरी पेमेंट वसूली हेतु लड़के की। सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू गोड़पारा, बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(36866)**

आवश्यकता है-कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर भी चलेंगे। वेतन 5000 सम्पर्क करें- विक्की गारमेन्ट, PNB के सामने, जय स्तम्भ मार्केट, शनिचरी बिलासपुर 9827955580 **(1458)**

आवश्यकता है-लोकल एवं बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी हेतु पिकप/ छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन- 10000+ (अनुभव के आधार पर) सम्पर्क करें- सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 780490441 **(36863)**

आवश्यकता है-सीमेंट मार्केटिंग एवं बिजनेस बढ़ाने हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है न्यूनतम अनुभव 3वर्ष, आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। शीघ्र सम्पर्क करें- मीनाक्षी सेल्स, पुराना हाईकोर्ट के सामने, बिलासपुर 9754002100 **(36865)**

आवश्यकता है-चश्मा शोरूम में कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से शुरू सम्पर्क करें-लक्ष्मी ऑप्टीकल्स, संजय बैग हाउस के बगल में, मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 99932 20626, 8574222225 **(36864)**

आवश्यकता है-होटल लॉज में साफ सफाई स्टाफ टॉयलेट क्लीनिंग स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार होटल स्वर्णभूमि बिलासपुर सम्पर्क करें- 7869380124 **(36857)**

आवश्यकता है-समोसा, आलू गुंडा, बड़ा, अंडा भजिया आदि नाश्ता ठेला में नियमित कार्य करने के लिए अनुभवी कुक एवं लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जरहाभाठा राजीव गांधी चौक बिलासपुर 7067077813 **(36854)**

आवश्यकता है-सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर, एचआर एवं बिजनेस डेवलपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 8319001366, 9977649371 **(36850)**

आवश्यकता है-ज्वैलरी शॉप में काम करने के लिए लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-शर्लिन ज्वेलर्स सदर बाजार, बिलासपुर 916534 5678 **(36856)**

आवश्यकता है-हॉस्टल साफ सफाई सुबह 9 से शाम 6 तक काम करने हेतु कर्मचारी चाहिए। सम्पर्क- मित्र विहार कालोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592 7828803577 **(36853)**

आवश्यकता है-इंट्रा, जीतो, पिकअप चलाने हेतु एक अनुभवी ड्राइवर एवं हमाली हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार परमानेंट जॉब। सम्पर्क करें-62689 70045 स्थान बिलासपुर **(36852)**

आवश्यकता है-रिटेल दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- कृष्णा स्कीन क्लीनिक सरकंडा बिलासपुर 7999677226 **(36841)**

आवश्यकता है-थोक दुकान में काम करने हेतु फुल टाईम एकाउन्टेन्ट, टेली कालर, कम्प्यूटर आपरेटर, अनुभवी सेल्समेन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7240970000 **(36842)**

आवश्यकता है-सिविल इंजीनियर- 2 (बीई/ डिप्लोमा), सिविल सुपरवाइजर- 5, गाड़ी ड्राइवर-2, ऑटो ड्राइवर-1 चाहिए अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- मेसर्स अरोरा कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी रेस्टॉरेंट के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9827902347, 99937 77000 **(36851)**

आवश्यकता है-ड्राइवर चाहिए मालवाहक ऑटो चलाने के लिये ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सोनथलिया एजेन्सीज व्यापार विहार बिलासपुर 07752-405725 **(36848)**

आवश्यकता है-वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9039524801, 9753511108 **(36843)**

आवश्यकता है-जेसीबी मशीन आपरेटर लोकल बिलासपुर हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार बाजार चौक यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 97533 11111 **(36816)**

आवश्यकता है-परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रह कर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की तत्काल आवश्यकता है वेतन 7000 प्रति माह सम्पर्क करें- 98842 61185 **(36845)**

आवश्यकता है-गर्ल्स हॉस्टल में कार्य हेतु अनुभवी वार्डन, साफ सफाई करने के लिए महिला एवं अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8817485860, 93023 12528, 9302312463 **(36840)**

आवश्यकता है-अमसेना पेण्ड्रीडीह कोल डिपो में 5वर्ष अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर माइनिंग अनुभवी एवं 5वर्ष अनुभवी सुपरवाइजर कोल से संबंधित फील्ड का अनुभवी चाहिए। रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें-9893111718 **(36837)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर युवती/ महिला (वेतन 15000) एवं 6वर्ष के बच्चों को पढ़ाने हेतु महिला टीचर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 75872 58374 **(36849)**

आवश्यकता है-साड़ी/ रेडिमेड दुकान में कार्य हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा जीन्स बिलासा चौक के पास, शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580, 98278 87934 **(36801)**

आवश्यकता है-रेडीमेड होजयरी एवं होलसेल साड़ी दुकान मे कार्य हेतु लड़को की, वेतन 6000 से 15000 योग्यता अनुसार (समय 11 से 8) सम्पर्क करें- श्रीगणेश होजयरी LT गली करबला रोड बिलासपुर 9826118114 **(3292)**

आवश्यकता है-सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 14500 से 18000 सम्पर्क करें- Tango Security Pvt. Ltd. ऑरेंज हाइव, 6th फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर 8109070600, 7869230888 **(2476)**

आवश्यकता है-Reliance Jio 5G कंपनी Sms Sending Calling Job करके लड़के, लड़किया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए 21500-48500 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Name, पता Qualification, Call/ sms/ whats app करें- 8918984004 **(3262)**

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में माल निकालने/जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा **(3300)**

आवश्यकता है-रीयल एस्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्स स्टाफ, साइट सुपरवाइजर (सिविल) एकाउंटेंट एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर, बजरंग चौक, बिलासपुर 8839002378 **(3297)**

आवश्यकता है- कार शो रूम नया बस स्टैंड तथा बाइक शो रूम महाराणा चौक के लिए डे या नाईट कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड सम्पर्क करें-99816 30084 **(3298)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है मोटर साईकिल चलाना आना चाहिए लोकल लड़को को प्राथमिकता) सम्पर्क करें- सरकार मिनरल्स, बजरंग चौक मेन रोड तालापारा बिलासपुर 9300516198 **(3303)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई-5.7, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर रायपुर 7746000016, 77470 00019 **(3160)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है जो बाहर रहकर कार्य करे सैलरी 10000 +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें- मंगला चौक बिलासपुर 7879036112 **(3294)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़को की, जो शहर से बाहर जाकर काम करसके योग्यता 10वी, 12वी स्नातक वेतन 10000 +कमीशन +बोनस रहना खाना ट्रैवलिंग फ्री कोई भी शुल्क नहीं लगेगा ट्रेनिंग बाद कमाये 20000 महीना सम्पर्क- 9685388875 74150 22943 **(304)**

आवश्यकता है-जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए वेतन 10000+कमीशन +बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085888353, 89620 00161 **(303)**

आवश्यकता है-टेलीकालिंग ऑफिस कार्य हेतु महिलाएं युवतियां चाहिए योग्यता 10वीं 12वीं स्नातक समय 9 से शाम 5, सैलरी 5000 से 15000 सम्पर्क करें- स्मार्ट रोड नेहरु नगर गणेश चौक बिलासपुर 7049274510 **(1380)**

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु 18 से 35वर्ष की लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है वेतन 5000 से 20000 सम्पर्क करें- मंदिर चौक प्रोटीन वर्ल्ड के पास बिलासपुर 74703 28986 **(3301)**

आवश्यकता है-आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 89378 47856, 6395268809 **(301)**

आवश्यकता है-अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है वेतन 15000 तक, रहने की सुविधा उपलब्ध जिनको सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ की जानकारी हो वैध लाइसेंस के साथ सम्पर्क करें- देव ट्रेवल कार रेंटल सर्विस, मोतीबाग, रायपुर 9752008009, 8959910211 **(1633)**

आवश्यकता है-टेलिकॉलिंग, ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें-नूतन चौक सरकंडा बिलासपुर 83057 68707, 8827015996 **(3302)**

आवश्यकता है-पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। सम्पर्क करें-8981475043, 80172 71898 **(3275)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है टाइम 10 से 6 बजे तक योग्यता 12वीं पास पता मंदिर चौक बिलासपुर सम्पर्क करें- 8102789556 **(3293)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35वर्ष वेतन 5000 +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें नेहरू नगर साईं मंदिर के पास 7805932585 **(3299)**

सर्विसेस

सर्विसेस-सलाह सर्विसेस कंसल्टेंसी ऑफिस में वर्क फ्रॉम होम, ऑफिस कार्य, फील्ड कार्य उपलब्ध है। पता- सेकेण्ड फ्लोर, लैण्ड मार्क काम्प्लेक्स, करबला रोड, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 6269020001, 62690 20002 **(36836)**

बेचना है

बेचना है-तेलीपारा 16×88 प्लाट वृंदावन काम्प्लेक्स 3दुकान इमलीपारा डबल स्टोरी मकान नेहरू नगर 5800 प्लाट, अग्रसेन चौक डबल स्टोरी मकान मित्र विहार 17×47 तोरवा 6000 डबल स्टोरी मकान फुलफर्निश्ड सम्पर्क- 9302855022 **(36821)**

बेचना है-पुराना बस स्टैण्ड इमलीपारा रोड पर गोपाल मोबाइल के बाजू गली में मेन रोड ने 50मी. अन्दर 20×54= 1080 वर्गफुट से बना पूर्व मुखी मकान बेचना है सम्पर्क- 9479169958, 94790 26526 **(36831)**

बेचना है-तिफरा यदुनन्दन नगर 1500 वर्गफिट प्लाट में बना 2BHK घर और दुकान 40लाख एवं सेक्टरडी में 700 रुपए वर्गफिट पर डायवर्टेड प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9826314444 **(36800)**

बेचना है-वार्ड नं.-16 कुदुदण्ड पानी टंकी के सामने गली में 1डिसमिल जमीन में बना 2मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन अटेच लेटबाथ, ऊपर 1हाल लेटबाथ सर्वसुविधायुक्त कीमत 1851000 सम्पर्क 9753505350, 95222 48786 **(36846)**

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रतिमाह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क- APS इंटरप्राईजेस रायपुर-9111760925, 74772 21345, बिलासपुर- 83599 13999, 9589288936 रायगढ़, अंबिकापुर 78697 55871 **(3194)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया

किराया-1200 वर्गफीट हॉल मंगला चौक बैंक ऑफ इंडिया की बिल्डिंग में किराये से देना है सम्पर्क करें-9425535104, 9039968650 **(36830)**

किराया-मेन रोड मसानगंज आकाश स्टोर्स के ठीक सामने 10×10 फीट की एक दुकान किराये से देना है नटराज वीडियोज के बगल में। सम्पर्क करें- 9755268998 **(6226)**

किराया-लोकेशन बजाज पेंट मंगला चौक मिनोचा कॉलोनी गेट नं-1 के सामने, ग्राउंड फ्लोर 900 वर्गफीट, फर्स्ट फ्लोर 2000 वर्गफीट दुकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 9827167987, 88718 87871, 7392873298 **(36835)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

क्या आप देना चाहते हैं अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद

"तलाश की नई सुबह"
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासीफाईड
लघु विज्ञापन हेतु संपर्क करें 9826782100

Medicare Specialists

चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
यदि आप सभी उपाय एवं ईलाज कराकर थक गये हो। ना ही दवा को आप छोड़ पाते है ना ही दवा आपको छोड़ता हो बीमारी बार-बार होता हो तो रस रसायन एकमात्र उपाय है। ये सदा के लिए रोग से मुक्ति दिलाकर नवजीवन प्रदान करता है। क्योंकि यह वीर्य के निर्माण के साथ इम्यून सिस्टम में काम करता है जो अचूक है। यह रोग ही नही कारण को दूर करता है।
रस-रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परंतु सटिक प्रमाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर मे जाने पर चूक नहीं सकता परंतु वात पित्त कफ से सबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटिक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।
(1) समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ो में दर्द, ऊंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपाटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फूंसी, छाले चमड़ी का फटना, लाल होना, रुबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग(इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान !
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल फार्मा साईटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: दुबई में इन भारतीय गेंदबाजों ने चटकाए हैं सर्वाधिक विकेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होना है। इस बार ये टूर्नामेंट मेजबान पाकिस्तान और दुबई में खेला जाना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलेगी। बता दें कि आगामी संस्करण में भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलेगी। इस मैदान पर सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों के बारे में जानते हैं।

कुलदीप यादव (10 विकेट)

कुलदीप यादव दुबई में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय हैं। क्रिकइंफो के अनुसार, कुलदीप ने इस मैदान पर 6 वनडे मैचों में 23.70 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। इस बीच उनकी इकॉनमी रेट 4.08 की रही है। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 45 रन देकर 3 विकेट लेना रहा है। कुल मिलाकर वनडे क्रिकेट में कुलदीप ने 108 मैचों में 26.22 की औसत से 174 विकेट लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह (8 विकेट)

जसप्रीत बुमराह इस बार चैंपियंस ट्रॉफी की टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह चोट के चलते इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। वह दुबई के मैदान पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने दुबई में 4 मैचों में 16 की औसत से 8 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/37 रहा है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने वनडे करियर में 23.55 की औसत से 149 विकेट लिए हैं।

रविंद्र जडेजा (7 विकेट)

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविंद्र जडेजा का रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने यहां 4 मैचों में 22.28 की औसत से 7 विकेट लिए हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ पिछली घरेलू वनडे सीरीज में अच्छी लय में दिखे थे और अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। जडेजा चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 25.18 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए थे।

इन भारतीय गेंदबाजों ने लिए हैं 6-6 विकेट

युजवेंद्र चहल ने दुबई में 5 पारियों में 32.83 की औसत और 4.47 की इकॉनमी रेट के साथ 6 विकेट लिए हैं। पूर्व भारतीय खिलाड़ी केदार जाधव ने 5 पारियों में 23.16 की औसत और 3.97 की इकॉनमी रेट के साथ 6 ही विकेट लिए थे। भारतीय टीम से फिलहाल बाहर चल रहे भुवनेश्वर कुमार ने दुबई में 5 पारियों में 29.33 की औसत के साथ 6 विकेट लिए थे।

खबर संक्षेप

भारत को बुमराह की कमी बहुत खलेगी : धवन

दुबई। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि भारत को चैंपियन्स ट्रॉफी में जसप्रीत बुमराह की कमी बहुत खलेगी लेकिन टीम के हालिया फॉर्म और कई मैच विजेता खिलाड़ियों की मौजूदगी में उनके पास टूर्नामेंट जीतने का शानदार मौका है। धवन ने आईसीसी के कॉलम में लिखा, ''मेरी चिंता यह है कि उन्हें जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरे हिसाब से वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और उनकी सटीकता को दोहराना मुश्किल है। वह बहुत शांत स्वभाव के हैं। इस तरह की बड़ी आईसीसी प्रतियोगिताओं में यह बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि धवन ने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शुभमन गिल और हर्षित राणा का समर्थन किया।

पारिवारिक कारणों से द. अफ्रीका लौटे गेंदबाजी कोच मोर्कल

दुबई। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल पारिवारिक इमरजेंसी के कारण दक्षिण अफ्रीका अपने घर रवाना हो गए। मोर्कल को पिछले साल सितंबर में भारत का गेंदबाजी कोच बनाया गया था।

कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच दोपहर 2:30 बजे से

पूर्व चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच भिड़ंत से आज होगा चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सामना न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम से आज बुधवार 19 फरवरी को होगा। हाल ही में सम्पन्न हुई त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हराया था। ऐसे में कीवी टीम आत्मविश्वास से लबरेज होगी।

दूसरी तरफ पाकिस्तानी टीम अपने घर पर इस आईसीसी टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला यह मैच 19 फरवरी को कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान ने जीते हैं ज्यादा वनडे मैच

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे 1973 में खेला गया था। दोनों टीमों के बीच 118 वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से कीवी टीम ने 53 मैच जीते हैं और उसे 61 मैच में हार मिली है। 1 मैच टाई रहा है और 3 मैच में कोई नतीजा नहीं निकल पाया है।पाकिस्तान ने अपने घर पर खेलते हुए न्यूजीलैंड को 22 मैच में हराया है और सिर्फ 8 मुकाबलों में कीवी टीम को जीत मिली है।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

विलियमसन ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने 6 मैचों में 69.00 की औसत से 345 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 पारियों में 56.08 की औसत से 1,290 रन बनाए हैं। फखर ने चैंपियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 63.00 की औसत से 252 रन बनाए हैं। शाहीन ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 11 वनडे में 22.87 की औसत से 24 विकेट लिए हैं।

इस संयोजन के साथ उतर सकती है पाकिस्तानी टीम

पाकिस्तान की टीम त्रिकोणीय वनडे सीरीज में फखर जमान और बाबर आजम की सलामी जोड़ी के साथ उतरी थी और सम्भवतः यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी।दूसरी तरफ मेजबान टीम अबरार अहमद के रूप में इकलौते विशेषज्ञ स्पिनर के साथ मैदान पर उतर सकती है।

संभावित एकादशः फखर जमान, बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, नसीम शाह और अबरार अहमद।

न्यूजीलैंड की टीम

न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन पैर की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं। कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी। अच्छी फॉर्म में चल रहे कॉनवे न्यूजीलैंड से पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

संभावित एकादशः रचिन रविंद्र , डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, मैट हेनरी और विलियम ओरूके।

तैयारी

90 मीटर के स्तर तक पहुंचने कर रहा हूं कड़ी मेहनत : नीरज चोपड़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया है कि उनके नए कोच यान जेलेजनी ने उनकी तकनीक में गलतियों का पता लगा लिया है और अब वह 90 मीटर के स्तर को हासिल करने के लिए उनके थ्रो करने के तरीकों में कुछ बदलाव करेंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा पिछले महीने पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ अपनी शादी के बारे में भी बताया। चोपड़ा ने कहा कि उनका रिश्ता पहले एक साधारण दोस्ती थी लेकिन धीरे-धीरे उन्हें प्यार हो गया।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे

चोपड़ा 90 मीटर के स्तर को छूने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उनका सत्र मई में डाइमंड लीग के साथ शुरू होगा और यह पूर्व ओलंपिक तथा विश्व चैंपियन जेलेजनी के साथ उनकी साझेदारी की प्रतिस्पर्धी शुरुआत होगी जिनके नाम भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड (98.48 मीटर) भी है। चोपड़ा ने कहा, ''मुझे लगता है कि 90 मीटर से अधिक का थ्रो जल्द आ सकता है। उन्होंने (यान जेलेजनी) मेरे खेल में कुछ तकनीकी समायोजन किए हैं।''

बदलावों से मैं और बेहतर हो जाऊंगा

उन्होंने कहा, ''उन्हें लगता है कि उनके बदलाव से मुझे मदद मिलेगी। मैं समझ पाया हूं कि वह मेरे से क्या उम्मीद करते हैं। उन्होंने मुझे जो गलतियां बताईं उनमें से एक यह थी कि मैं पेरिस में भी भाला बहुत नीचे फेंक रहा था और मेरा झुकाव बाईं ओर था।'' चोपड़ा ने कहा, ''अगर मैं उन बदलावों को शामिल करने में सक्षम रहा तो मुझे लगता है कि मैं बहुत बेहतर हो जाऊंगा।''
पानीपत के इस खिलाड़ी ने हालांकि जोर देते हुए कहा कि देश के लिए पदक जीतना महत्वपूर्ण है।

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धि सूचना क्र. 2 दिनांक 14.02.2025
क्र.: 1, मदः निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय, IREPS की वेबसाइट पर NIT: JBP-PROJECT-EPC-2024-01 दिनांक 02.01.2025: 20.02.2025 upto 15:00 hrs., IREPS पर संशोधित दिनांक: 06.03.2025 upto 15:00 hrs. शेष वस्तुएं यथावत एवं अपरिवर्तित रहेंगी।
उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट), पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

नामधारी को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा रियल कश्मीरः

श्रीनगर। ब्राजील के स्ट्राइकर पाउलो सीजर के सातवें मिनट में पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर रियल कश्मीर ने घरेलू मैदान पर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखते हुए मंगलवार को यहां नामधारी एफसी को 1–0 से हराकर आईलीग फुटबॉल टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया।

मैरी कॉम बोलीं- मैने इस्तीफा नहीं दिया है, कार्यकाल पूरा करूंगी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष और महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम ने मंगलवार को इन खबरों का खंडन किया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत समझा गया और वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगी। लंदन ओलंपिक 2012 कांस्य पदक विजेता मणिपुर की 42 वर्ष की इस मुक्केबाज ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में हलद्वानी में एक 'खराब होटल' में ठहराये जाने पर नाराजगी जताई थी। मैरी कॉम ने कहा कि उनकी नाराजगी को इस्तीफा मान लिया गया। उन्होंने कहा ,'' मैने इस्तीफा नहीं दिया है । मैं अपना कार्यकाल (2026 के अंत तक) पूरा करूंगी। मैं कुछ कह रही थी, समझा गया कुछ और उन्होंने कहा मैं अपने साथी सदस्यों (खिलाड़ियों के आयोग में) से इतना ही कह रही थी कि आगे से ऐसा हुआ तो मैं इस्तीफा दे सकती हूं । मैने यह कभी नहीं कहा कि मैं इस्तीफा दे रही हूं। आईओए मेरा परिवार है और अगर मैं किसी बात को लेकर नाराज हूं तो मुझे उसे व्यक्त करने का पूरा अधिकार है।'' मैरी कॉम को 2022 में पैनल में चुना गया था जिसमें टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल उपाध्यक्ष हैं।

राशिफल

मेष	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।
वृष	आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।
मिथुन	किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।
कर्क	जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
सिंह	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।
कन्या	पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।
तुला	मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।
वृश्चिक	मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।
धनु	आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर–परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।
मकर	क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
कुंभ	मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।
मीन	पठन–पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
प्रधानमंत्री आवास योजना - सबके लिए आवास मिशन (शहरी) स्लम/गैर स्लम में किराये के मकान में रह रहे हितग्राहियों को दो कमरे का आवास उपलब्ध कराने की योजना
विज्ञापन क्र. 1272 संशोधित सूचना दिनांक 17/02/2025
''मोर मकान मोर आस'' योजना अंतर्गत बृज विहार ईडब्लुएस भूमि राजकिशोर नगर में निर्मित 87 (G+3) आवासीय फ्लैट्स में से 60 रिक्त आवास आबंटन के लिए कार्यालय के विज्ञापन क्रमांक 1185 दिनांक 06/12/2024 को विज्ञापन जारी किया गया था जिसमें आवेदन प्राप्त होने की तिथि दिनांक 09/12/2024 से दिनांक 31/12/2024 तक एवं प्राप्त आवेदनों में पात्र एवं अपात्र हितग्राहियों के सूची का प्रकाशन दिनांक 17/01/2025 को किया जाकर दिनांक 31/01/2025 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित करने तथा दावा आपत्ति पश्चात् आवास का आबंटन लाटरी पद्धति से करने की तिथि दिनांक 10/02/2025 तक थी। उक्त तिथि में आंशिक संशोधन करते हुये प्राप्त आवेदनों के पात्र/अपात्र हितग्राहियों का दावा आपत्ति दिनांक 04/03/2025 तक आमंत्रित किया जाकर निराकरण उपरांत पात्र हितग्राहियों को दिनांक 12/03/2025 को लाटरी के माध्यम से आवासों का आबंटन किया जावेगा। शेष नियम व शर्तें पूर्वानुसार रहेगी।
आयुक्त
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें।

SBI | भारतीय स्टेट बैंक स्थानीय प्रधान कार्यालय, नर्मदापुरम रोड, भोपाल-462011
भोपाल मंडल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य हेतु केवाईसी सत्यापन एजेंसियों को सूचीबद्ध करने के लिए निविदा का आमंत्रण
भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, भोपाल अपने मंडल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में प्राप्त ऋण एवं चालू खाता प्रस्तावों के संबंध में उधारकर्ताओं/ग्राहकों के निवास/कार्यालय के पते और फोन का सत्यापन करने [भौगोलिक निर्देशांको के साथ स्वयंचित्र (सेलफी)] सहित उनकी पहचान एवं आय जैसे कि वेतन पर्ची, फार्म 16, आयकर रिटर्न आदि की जांच/सत्यापन करने के लिए सत्यापन एजेंसियों को सूचीबद्ध करना चाहता है। इच्छुक सत्यापन एजेंसियां, बैंक की निविदा साइट https://etender.sbi के माध्यम से दिनांक 19.02.2025 को सुबह 11.00 बजे से दिनांक 15.03.2025 को शाम 6.00 बजे तक निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकती है। ऑफर दस्तावेज़ बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi पर "Procurement News" के अंतर्गत भी उपलब्ध रहेगा। बैंक के पास निविदा जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ाने/ बदलने का अधिकार सुरक्षित है। बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी अथवा सभी निविदा को स्वीकार/ अस्वीकार कर सकता है। एजेंसियों को सूचित किया जाता है कि वह किसी भी अनुभर्ती परिर्वतन/ शुद्धि पत्र/ परिवर्तन आदि से अवगत रहने के लिए बैंक की वेबसाइट देखते रहे क्योंकि इनके लिए आगे कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं की जाएगी।
उप महाप्रबंधक (स्थावर संपदा एवं खुदरा ऋण) स्थानीय प्रधान कार्यालय, भोपाल

इंडियनऑयल
IndianOil
CIN : L23201MH1959GOI011388
इंडियनऑयल के पाइपलाइन्स प्रभाग में प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के तहत प्रशिक्षुओं के लिए अवसर
विज्ञापन सं.: पीएल/एचआर/ईएसटीबी/एपीपीआर (2025)
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पाइपलाइन्स प्रभाग द्वारा असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में प्रभाग के विभिन्न स्थानों पर इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, टेलिकम्यूनिकेशन एवं इंस्ट्रूमेंटेशन, मानव संसाधन, अकाउंट्स, डेटा एंट्री ऑपरेटर और डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर के पदों पर प्रशिक्षु अवसर हेतु योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।
अवसरों की अनुमानित संख्या 457 है। अवसरों की विस्तृत जानकारी और आरक्षण के लिए कृपया इंडियनऑयल की वेबसाइट www.iocl.com पर IndianOil For You→IndianOil For Careers →Apprenticeships सेक्शन में हमारे विस्तृत विज्ञापन को देखें।
भविष्य में सभी उद्घोषणाएं केवल इंडियनऑयल की वेबसाइट www.iocl.com पर प्रकाशित की जाएंगी। यह किसी अन्य वेबसाइट/माध्यम से उपलब्ध नहीं होंगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त विज्ञापन से जुड़ी नवीनतम जानकारी के लिए समय–समय पर इंडियनऑयल की वेबसाइट देखते रहें।
NATS/NAPS पोर्टल और इंडियनऑयल पाइपलाइन्स प्रशिक्षु पोर्टल में ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 03.03.2025 है।

शब्द पहेली - 5783

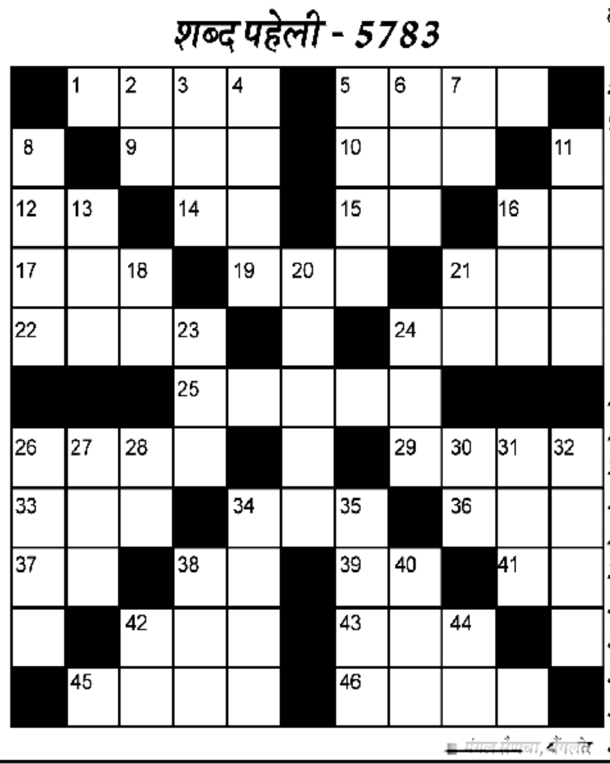

बाएँ से दाए
1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 5782 का हल

सूडोकु नवताल- 5793

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5792 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

छत्तीसगढ़ में नया दुकान एवं स्थापना अधिनियम लागू

श्रम विभाग ने जारी किया आदेश, छोटे दुकानदारों को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने छोटे दुकानदारों को राहत और कर्मचारियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम 2017 और नियम 2021 को पूरे राज्य में लागू कर दिया है। साथ ही पुराना अधिनियम 1958 और नियम 1959 को निरस्त कर दिया गया है। श्रम विभाग के अनुसार नया अधिनियम पूरे राज्य में लागू होगा, जबकि पुराना अधिनियम केवल नगरीय निकाय क्षेत्रों में प्रभावी था। बदलाव से छोटे दुकानदारों को राहत मिलेगी, क्योंकि नया कानून केवल 10 या अधिक कर्मचारियों वाली दुकानों और स्थापनाओं पर ही लागू होगा। पहले बिना किसी कर्मचारी के भी सभी दुकानें अधिनियम के दायरे में आती थीं।

नए नियमों के तहत दुकान और स्थापनाओं के पंजीयन शुल्क को कर्मचारियों की संख्या के आधार पर तय किया गया है। न्यूनतम शुल्क एक हजार रुपये और अधिकतम 10,000 रुपये होगा। पहले यह शुल्क 100 से 250 रुपये तक था। श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि नए अधिनियम के लागू होने के 6 महीने के भीतर सभी पात्र दुकानों और स्थापनाओं को पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया श्रम विभाग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पूरी की जा सकेगी। कर्मचारी राज्य बीमा और भविष्य निधि में पहले से पंजीकृत दुकानें नए अधिनियम में स्वतः शामिल होंगी। पहले से पंजीकृत दुकानों को 6 महीने के भीतर श्रम पहचान संख्या प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। यदि 6 महीने बाद आवेदन किया जाता है, तो नियमानुसार शुल्क देना अनिवार्य होगा।

पुरानी व्यवस्था में दुकानों को सप्ताह में एक दिन बंद रखना अनिवार्य था। अब दुकानें 24 घंटे और पूरे सप्ताह खुली रह सकती हैं, बशर्ते कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश दिया जाए। नई व्यवस्था के तहत कुछ सुरक्षा शर्तों के साथ महिला कर्मचारियों को रात में भी काम करने दिया जाएगा। सभी नियोजकों को अपने कर्मचारियों के रिकॉर्ड इलेक्ट्रॉनिक रूप से मेंटेन करने होंगे। हर साल 15 फरवरी तक सभी दुकान एवं स्थापनाओं को अपने कर्मचारियों का वार्षिक विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नए अधिनियम में जुर्माने की राशि बढ़ाई गई है, लेकिन अपराधों के कम्पाउंडिंग की सुविधा दी गई है, जिससे नियोजकों को कोर्ट की कार्रवाई से बचने का विकल्प मिलेगा। निरीक्षकों की जगह फैसिलिटेटर और मुख्य फैसिलिटेटर नियुक्त किए जाएंगे, जो व्यापारियों और नियोजकों को बेहतर मार्गदर्शन देंगे।

श्रम विभाग करेगा पंजीयन

पहले दुकान और स्थापनाओं का पंजीयन कार्य नगरीय निकायों द्वारा किया जाता था। अब 13 फरवरी की अधिसूचना के अनुसार यह कार्य श्रम विभाग द्वारा किया जाएगा। नए नियमों से छोटे दुकानदारों को राहत मिलेगी, पंजीयन प्रक्रिया सरल होगी और कर्मचारियों के अधिकारों का बेहतर संरक्षण किया जा सकेगा।

खबर संक्षेप

अंबिकापुर में नक्शा प्रोजेक्ट की शुरुआत, राज्य के तीन जिले शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र में डिजिटल भू-प्रबंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए नक्शा परियोजना की शुरुआत की गई। यह परियोजना देश के 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 141 जिलों में लागू की जा रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर, जगदलपुर और धमतरी को इस योजना में शामिल किया गया है। अंबिकापुर नगर निगम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने मध्यप्रदेश के रायसेन से इस परियोजना का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके तहत ड्रोन सर्वे के माध्यम से शहरी भू-सम्पत्तियों का सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जिससे संपत्ति विवादों का त्वरित समाधान होगा और भूमि स्वामित्व संबंधी रिकॉर्ड अधिक पारदर्शी बनेंगे। उन्होंने इस अवसर पर कहा, यह परियोजना शहरी भूमि प्रबंधन को आधुनिक बनाएगी और सम्पत्तियों के स्वामित्व से जुड़ी समस्याओं को जल्द सुलझाने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि ड्रोन तकनीक से सम्पत्तियों का हवाई सर्वे कर फोटो और वीडियो डेटा एकत्र किया जाएगा, जिसे भविष्य में सरकारी दस्तावेजों और भूमि रिकॉर्ड में सटीकता लाने के लिए उपयोग किया जाएगा। **भूमि का सटीक रिकार्ड उपलब्ध होगा- महाराज-** सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नक्शा परियोजना से भूमि के हर इंच का सटीक रिकॉर्ड उपलब्ध होगा, जिससे भू-राजस्व संबंधी समस्याएं खत्म होंगी और डिजिटल रिकॉर्ड के चलते पारदर्शिता बढ़ेगी। इससे शहरवासियों को अनावश्यक कानूनी उलझनों से बचाव मिलेगा और शहरी विकास की योजनाओं का सुचारू क्रियान्वयन संभव होगा।

सरकारी डाक्टर कर रहा चुनाव प्रचार, निर्वाचन आयोग से शिकायत

रायपुर। शासकीय सेवा में रहते हुए जिला पंचायत चुनाव में प्रत्याशी का प्रचार करने वाले सरकारी डाक्टर की शिकायत निर्वाचन आयोग से की गई है। शिकायत करने वाले ने इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को देकर डाक्टर के खिलाफ अनुशासहीनता की कार्रवाई करने की मांग की है। चुनाव आयोग को भेजी गई शिकायत में संतोष साहू नामक व्यक्ति ने कहा कि दंत चिकित्सक डा. आनंद वर्मा बलौदाबाजार के जिला पंचायत प्रत्याशी के समर्थन में खुलेआम प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं, जबकि वे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कायाकल्प योजना के तहत शासकीय सेवा में हैं। शिकायत करने वाले का तर्क है कि सरकारी सेवा में रहते हुए किसी प्रत्याशी के समर्थन में खुलेआम चुनाव प्रचार करना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। दांतों के इस डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। शिकायतकर्ता ने निर्वाचन आयोग के साथ शिकायत की कापी मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और सचिव स्वास्थ्य को प्रेषित की है।

आप के महापौर प्रत्याशी सहित 14 की जमानत जब्त, 150 पार्षद भी नहीं बचा पाए

रायपुर। रायपुर नगर निगम चुनाव 2025 में महापौर पद के चुनाव में पराजित होने वाली 15 महिला प्रत्याशियों में कांग्रेस की दीप्ति दुबे को छोड़कर अन्य कोई भी प्रत्याशी अपनी जमानत राशि बचा नहीं पाया। यहां तक कि तीसरे नंबर पर जीत की दावेदार मानी जा रही आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी डा. शुभांगी तिवारी भी अपनी जमानत बचा पाने में कामयाब नहीं रहीं। इसी प्रकार पार्षद पद के लिए निगम से 306 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा है। इनमें निर्वाचित हुए 70 प्रत्याशियों के अलावा हारे 336 प्रत्याशियों में 86 ही अपनी जमानत राशि बचा पाने में कामयाब रहे, वहीं 150 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। चुनाव में जमानत जब्त होने का मतलब है कि यदि किसी उम्मीदवार को निर्धारित न्यूनतम वोट प्रतिशत नहीं मिलते हैं, तो उसकी जमानत राशि जब्त कर ली जाती है। यह प्रावधान भारतीय चुनावी कानून के तहत लागू है। जमानत राशि को उम्मीदवार के द्वारा चुनावी नामांकन के दौरान जमा किया जाता है और यदि वह उम्मीदवार चुनाव में कुल वोटों का 1/6 यानी 16.66 प्रतिशत वोट हासिल नहीं करता है, तो उसकी जमानत जब्त कर ली जाती है।निगम के पार्षद चुनाव में जमानत राशि नहीं बचा पाने वालों में शिवसेना, आप, बसपा सहित क्षेत्रीय पार्टी के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों के अलावा एक कांग्रेस प्रत्याशी भी शामिल है। बाबू जगजीवन राम वार्ड क्रमांक-53 में भाजपा-कांग्रेस सहित 9 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा। इनमें भाजपा प्रत्याशी मनोज जांगड़े ने रिकार्ड मतों से जीत हासिल की, जिसके कारण इस वार्ड से कांग्रेस सहित अन्य प्रत्याशियों को बहुत कम वोट मिलने के कारण उनमें से एक भी प्रत्याशी अपनी जमानत बचा नहीं पाया। इसमें कांग्रेस प्रत्याशी भी शामिल है, जिसे महज 532 वोट ही मिले हैं।

मुख्यमंत्री से मिले रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और धमतरी के महापौर और पार्षद

सीएम साय बोले- अटल विश्वास पत्र के वादों को पूरा करने में महापौर और पार्षदों की भूमिका होगी अहम

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के महापौर एवं पार्षदों से कहा, वार्डों का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता में होना चाहिए। जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं, ताकि हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएं सहज रूप से मिल सकें। सभी पार्षद अपने वार्ड के लोगों से निरंतर संपर्क बनाए रखें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। हमारे अटल विश्वास पत्र के वादों को पूरा करने में महापौर और पार्षदों की भूमिका अहम होगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा, भाजपा को नगरीय निकाय चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली है, जो जनता के हमारी सरकार पर विश्वास को दर्शाता है। यह जीत संगठन के नेताओं से लेकर जमीनी कार्यकर्ताओं तक के परिश्रम का परिणाम है। अब हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है और अटल विश्वास पत्र में किए गए वादों को पूरा करना है। इसमें महापौर एवं पार्षदों की भूमिका सबसे अहम होगी, क्योंकि वे सीधे जनता से जुड़े हुए हैं।

जनता से लगातार संपर्क करें

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि नगरीय निकायों के सभी महापौर और पार्षद अपने क्षेत्र में स्वच्छता, बिजली, पानी एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जनता से लगातार संपर्क बनाए रखें और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करें, अपने क्षेत्र में घूमकर समस्याओं को जानें, इससे प्रशासनिक कसावट आएगी और विकास को गति मिलेगी।

सीएम से मिले ये महापौर

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने निवास पर रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग एवं धमतरी नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक गजेंद्र यादव, धमतरी के नवनिर्वाचित महापौर जगदीश रामू रोहरा, दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, रायपुर की महापौर मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत सहित अन्य निकायों के पार्षद उपस्थित रहे।

पित्रोदा के बयान पर बिफरे सीएम साय, कहा- कांग्रेस का हाथ अलगाववादियों और देश के दुश्मनों के साथ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कांग्रेस नेता सैम पित्रौदा के बयान पर जमकर बिफरे हैं। उनका कहना है, कांग्रेस का हाथ सीधे तौर पर देश के दुश्मनों और अलगाववादियों के साथ है। इससे पहले भी भारतीय नस्ल को अपमानित करना, भारत के बारे में अलग-अलग मंचों पर दुष्प्रचार कर देश को कमजोर करने की नीति कांग्रेस नेताओं की रही है। अपने नेताओं के देशविरोधी बयान को निजी बताकर पल्ला झाड़ना कांग्रेस की पुरानी आदत है। अगर कांग्रेस में हिम्मत है तो अपने विदेश विभाग के प्रमुख को निष्कासित करके दिखाए।

मुख्यमंत्री साय ने एक्स पर लिखा है- कांग्रेस के हाथ सीधे तौर पर अलगाववादियों, देश के दुश्मनों के साथ है। कांग्रेस के विदेशी विभाग के प्रमुख सैम पित्रोदा को शायद देश के दुश्मनों का हाथ मजबूत करने के लिए ही रखा गया है। पित्रोदा द्वारा पहले भारतीय नस्ल को ही अपमानित करना, फिर बार-बार भारत के बारे में अलग-अलग मंचों पर दुष्प्रचार करना और देश को कमजोर करने की साजिश रचते रहना कांग्रेस की अघोषित नीति ही है। अभी फिर एक विवादास्पद बयान देकर फिर वही किया गया है। सैम पित्रोदा के हर बयान के बाद उसे निजी बयान बता देना भी कांग्रेस की पहले से तय नीति है। अपने नेता से बयान दिलाकर पहले देश विरोधियों को तुष्ट कर देना और फिर भारत में उसे निजी बयान बता देना यह साबित करता है कि कांग्रेस आज भी 'चोर से कहो चोरी कर और गृह स्वामी से कहो जागते रहो' की अपनी पुरानी नीति पर कायम है। संबंधित देश के सत्ताधारी से कांग्रेस का आधिकारिक समझौते के कारण ही ये तमाम बयान आते हैं। अगर सैम के बयान से सहमति नहीं है तो क्या कांग्रेस उनको पार्टी से निष्कासित करेगी? अगर उनको बर्खास्त नहीं किया जाता है तो यह साबित होगा कि पार्टी आलाकमान के इशारे पर ही देश को कमजोर करने का कुचक्र रचा जा रहा है। यह निंदनीय है। इसे कतई सहन नहीं किया जा सकता।

शराब घोटाले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी की न्यायिक रिमांड 4 मार्च तक बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शराब घोटाले में फंसे प्रदेश के पूर्व आबकारी मंत्री एवं कांग्रेस विधायक कवासी लखमा को फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है। पूर्व मंत्री को मंगलवार को न्यायिक रिमांड की अवधि पूरी होने पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने 14 दिनों के लिए उनकी न्यायिक रिमांड फिर बढ़ाने का आदेश सुनाया है।

इस आदेश के बाद अब पूर्व मंत्री को 4 मार्च को कोर्ट में पेश किया जाएगा। कवासी लखमा की अग्रिम जमानत की याचिका ईओडब्ल्यू की स्पेशल कोर्ट पहले ही खारिज कर चुकी है। कवासी की ओर से वकील ने दो सप्ताह पूर्व उसके बचाव पक्ष में उसे निर्दोष बताते हुए झूठे मामले में फंसाने और परेशान करने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही ईडी को छापेमारी के दौरान उनके घर से एक पैसा भी बरामद और आपत्तिजनक दस्तावेज नहीं मिलने की जानकारी दी थी, वहीं ईओडब्ल्यू की ओर से इस मामले में कवासी लखमा पर शराब घोटाले में हर महीने 50 लाख रुपए कमीशन सहित करीब दो करोड़ रुपए लेने का आरोप लगाते हुए अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करने की मांग की गई थी। कोर्ट में दोनों पक्षों की ओर से इस याचिका पर जमकर बहस भी हुई, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद से लखमा न्यायिक रिमांड पर जेल में हैं।

14 दिनों की न्यायिक रिमांड खत्म होने के बाद उन्हें दोबारा विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने इस बार भी दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद न्यायिक रिमांड 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है।

क्वींस क्लब का करीब 3 करोड़ बकाया, सील करने निकली टीम से 28 तक मांगी मोहलत, आश्वासन पर लौटा अमला

रायपुर। एयरपोर्ट रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर बने क्वींस क्लब पर करीब 4 करोड़ रुपये बकाया है। क्लब प्रबंधन ने नगर निगम को 4 साल का संपत्ति कर भुगतान नहीं किया है। मंगलवार को निगम मुख्यालय और जोन 9 की संयुक्त टीम क्लब को सील करने का आदेश लेकर निकली। क्लब प्रबंधन ने बकाया संपत्ति कर भुगतान के लिए 28 फरवरी तक की मोहलत मांगी। निगम की टीम ने आग्रह को मानते हुए बकाया संपत्ति कर भुगतान के लिए 28 तक समय दिया है। निर्धारित समय अवधि में बकाया संपत्ति कर जमा नहीं करने पर क्लब को सील करने की कार्रवाई की जायेगी।

कौशिल्या विहार में करोड़ों की जमीन खाली 7 साल में भी नहीं खुल पाया पेट्रोल पंप

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण के कौशिल्या विहार प्रोजेक्ट में पेट्रोल पंप के लिए सुरक्षित 25 हजार वर्गफीट जमीन सालों से खाली पड़ी है। इस जमीन पर पेट्रोल पंप खोलने कंपनियों से प्राधिकरण ने कई बार पत्राचार किया, पर एक भी कंपनी इसके लिए राजी नहीं हुई। इसके कारण वहां के रहवासियों को पेट्रोल पंप की सुविधा नहीं मिल पायी।

दरअसल, पेट्रोल पंप खोलने की योजना साल 2018 की है। कौशिल्या विहार में आम जनता की सुविधा के लिए नया पेट्रोल पंप खोलने रायपुर विकास प्राधिकरण ने अपने प्रोजेक्ट में बाकायदा सेक्टर 3 में 25 हजार वर्गफीट भूखंड सुरक्षित रखा है। वर्ष 2018 में इस भूखंड पर पेट्रोल पंप खोलने की योजना रही। उस समय भूखंड का बाजार मूल्य 1610 रुपये प्रतिवर्ग फीट आंका गया। सूत्रों के मुताबिक अब नए सिरे से इस जमीन का रेट रिवाइज कर प्राधिकरण इसे सेलआउट करने निविदा जारी कर सकता है।

इंद्रप्रस्थ रायपुरा में आमोद प्रमोद के लिए सुरक्षित 40 हजार वर्गफीट जमीन सालों से डंप है। इस बेशकीमती जमीन के विक्रय होने से रायपुर विकास प्राधिकरण को एकमुश्त राशि विक्रय के रूप में मिलेगी।

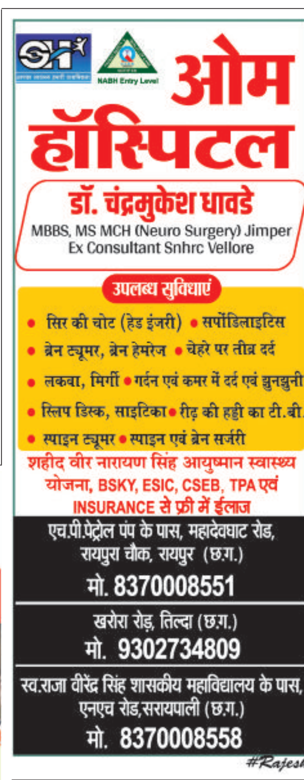

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com